घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 159- शनिवार 11- अप्रैल 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्र. 13/Surguja DN/ 2026-2028

वृंदावन में यमुना में नाव डूबी,10 पर्यटकों की मौत

लाइफ जैकेट नहीं पहनी थी,मदद के लिए सेना पहुंची,सभी पंजाब के रहने वाले

मथुरा,10 अप्रैल 2026। मथुरा के वृंदावन में 30 पर्यटकों से भरी प्राइवेट नाव यमुना नदी में पलट गई। हादसे में 10 पर्यटकों की डूबने से मौत हो गई। इनमें 7 महिलाएं और 3 पुरुष हैं। मृतकों में पति-पत्नी और पिता-बेटी शामिल हैं। नाव में सवार सभी पर्यटक बांके बिहारी क्लब के सदस्य थे और पंजाब से घूमने आए थे। डीएम चंद्र प्रकाश सिंह ने बताया, हादसा दोपहर करीब 3 बजे केसी घाट पर हुआ,जो श्रीबांके बिहारी मंदिर से करीब 2 किमी की दूरी पर है। राहत और बचाव कार्य के लिए सेना आ गई है। गाजियाबाद से एनडीआरएफ की टीम भी वृंदावन आ गई है। डीआईजी शैलेश पांडेय ने बताया, पर्यटक 2 नावों में सवार थे। एक पलट गई, जिस पर 25 से 27 लोग सवार थे। 10 लोगों की मौत हुई है। 12 घायलों को बाहर निकाल लिया गया है। 3 से 5 लोगों के अभी लापता होने की सूचना है। रेस्क्यू टीम लगातार सर्च कर रही हैं। जिस जगह हादसा हुआ, वहां करीब 30 फीट पानी है। हादसे के बाद नाविक फरार हो गया। शुरुआती जांच से पता चला है कि नाव की क्षमता 15 श्रद्धालुओं की थी, लेकिन नाविक ने 25 लोगों को बिठा लिया था। किसी ने भी लाइफ जैकेट नहीं पहनी थी। पांटून पुल की रिपेयरिंग कर रहे लोगों और नाविकों ने कुछ लोगों ने बचा लिया था। आर्मी इंजीनियरिंग कोर के सूबेदार अखिलेश पांडेय ने बताया..अगर पर्यटकों ने लाइफ जैकेट पहन रखी होती तो बचने के लिए उन्हें समय मिल जाता। लाइफ जैकेट के साथ एक घंटे तक तैर सकते थे। नाव तट से करीब 50 फीट दूर यमुना नदी के बीच में थी। उस वक्त हवा करीब 40kmph स्पीड से चल रही थी। तेज हवा से नाव अचानक डगमगाने लगी। नाविक कंट्रोल खो बैठा। पर्यटकों ने नाविक से कहा, पुल आने वाला है, रोक लीजिए। लेकिन उसने नहीं रोका। 2 बार नाव टकराने से बची।

उप राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने मथुरा में नाव दुर्घटना पर शोक व्यक्त किया

उप राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के मथुरा (वृंदावन) में यमुना नदी में हुई नाव दुर्घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उप राष्ट्रपति राधाकृष्णन ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, उत्तर प्रदेश के मथुरा में नाव पलटने की घटना से मैं अत्यंत दुखी हूं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं! मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के मथुरा में नाव पलटने से हुई दुर्घटना से वह दुखी हैं। अपनों को खोने वाले लोगों के प्रति उनकी गहरी संवेदनाएं! वह घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करते हैं। स्थानीय प्रशासन प्रभावित लोगों की हर संभव सहायता कर रहा है।

नीतीश कुमार बने राज्यसभा सांसद

कार्यकर्ता बोले... आपका फैसला गलत,दिल्ली में हाथ जोड़कर गिड़गिड़ाए नेता...

पटना,10 अप्रैल 2026। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को राज्यसभा सांसद की शपथ ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने उन्हें शपथ दिलाई। इस दौरान बिहार एनडीए नेताओं के साथ-साथ केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण, जेपी नड्डा, अर्जुन राम मेघवाल भी मौजूद रहे। संजय झा ने सिग्नेचर करने के लिए उन्हें पेन दिया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने कहा, हो गया.. चलें...। जिसपर फोटो सेशन के लिए रूकने को कहा गया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने चारों सदन का सदस्य बनने का रिकॉर्ड बनाया है। वो पहली बार राज्यसभा पहुंचे हैं, जबकि इसके पहले लोकसभा, बिहार विधान परिषद और विधानसभा के सदस्य रह चुके हैं। शपथ ग्रहण करने के बाद सीएम नीतीश कार्यकर्ताओं से मिले। इस दौरान संजय झा और ललन सिंह भी मौजूद थें। इसके बाद सीएम पटना के लिए रवाना हो गए हैं।

खरमास के बाद बिहार में नई सरकार

बताया जा रहा कि नीतीश कुमार शुक्रवार शाम को ही पटना लौटेंगे। 13 अप्रैल को कैबिनेट की अंतिम बैठक करेंगे। अगले दिन यानी 14 अप्रैल को सीएम नीतीश अपने पद से इस्तीफा दे सकते हैं। इसी दिन एनडीए विधायक दल की बैठक भी होगी, जिसमें नए सीएम पर मुहर लगेगी। गुरुवार को दिल्ली पहुंचने पर सीएम नीतीश ने कहा, 'अब यहीं रहूंगा। बहुत समय तक यहां (दिल्ली) काम किया है, अब फिर से यहीं काम करूंगा। 20 सालों तक बिहार में बहुत काम किया है, आगे भी काम जारी रहेगा।' इस दौरान उन्होंने स्पष्ट संकेत दिए कि वे दिल्ली में सक्रिय रहेंगे, लेकिन पटना आना-जाना भी जारी रहेगा।' जेडीयू सूत्रों के अनुसार, एनडीए के मौजूदा फॉर्मूले को आगे बढ़ाया जाएगा। इस हिसाब से जदयू को पहली बार डिप्टी सीएम पद मिल सकता है। पार्टी के 2 डिप्टी सीएम हो सकते हैं।

कार्यकर्ता बोले...आपके फैसले का विरोध करते है

वहीं दिल्ली में नीतीश कुमार के सामने नेताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं ने कहा कि हमलोग आपके फैसले का विरोध करते हैं। साथ ही कहा, निशांत को सीएम बनाए,संजय झा को सीएम बनाए, ललन सिंह को सीएम बनाए,लेकिन किसी और को नहीं। इससे पहले सुबह दिल्ली में उनसे मिलने बिहार के बड़े नेता पहुंचे। जेडीयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा, राज्यसभा सांसद रामनाथ ठाकुर ने सुबह मुलाकात की। फिर डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी,मंत्री अशोक चौधरी और मदन सहनी ने मुलाकात की। इधर,केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने नीतीश कुमार के राज्यसभा सांसद बनने पर सोशल मीडिया पर लिखा-'बिहार विल मिस यू नीतीश जी।' जबकि राजद प्रवक्ता शक्ति यादव ने कहा..आज से बिहार में उनकी सेवा समाप्त होती है।

हरिवंश राज्यसभा के मनोनीत सांसद बने,उपसभापति बन सकते हैं

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने पद की शपथ दिलाई

नई दिल्ली,10 अप्रैल 2026। राज्यसभा के पूर्व उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह मनोनीत सांसद बने। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने अपने कक्ष में शपथ दिलाई। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें राज्यसभा के लिए नॉमिनेट किया था। हरिवंश का पिछला कार्यकाल 9 अप्रैल को खत्म हो गया था। उनकी पार्टी जेडीयू ने इस बार नाम नहीं दिया था। इसके बाद राष्ट्रपति ने उनका मनोनयन किया। पूर्व सीजेआई रंजन गोगोई के रिटायर होने के बाद सीट खाली हुई थी। इसे भरने के लिए जेडी(यू) के हरिवंश को चुना गया। 69 साल के हरिवंश 2032 तक राज्यसभा में रहेंगे। राज्यसभा में 12 सदस्य मनोनीत होते हैं, जिन्हें राष्ट्रपति तय करते हैं। इन्हें कला, साहित्य, विज्ञान और समाज सेवा में विशेष योगदान के आधार पर चुना जाता है। हरिवंश को नीतीश कुमार का करीबी माना जाता था, लेकिन कुछ समय से दोनों के बीच दूरी नजर आई। बजट सत्र के दूसरे चरण के दौरान राज्यसभा में रिटायर हो रहे सांसदों का विदाई समारोह 18 मार्च को हुआ था। इस दौरान पीएम मोदी ने हरिवंश के लिए कहा था... 'हमारे उपसभापति हरिवंश विदा ले रहे हैं। हरिवंश को इस सदन में लंबे समय तक अपनी जिम्मेदारियों को निभाने का अवसर मिला।' पीएम मोदी ने हिंट दी थी कि हरिवंश की राजनैतिक पारी अभी खत्म नहीं हुई है,वे आगे भी जनहित में काम करते रहेंगे। इसके आधार पर ही यह माना जा रहा है हरिवंश नारायण को मनोनीत सांसद बनाकर दोबारा लाया गया है। संविधान और राज्यसभा के नियमों के अनुसार मनोनीत सांसद भी उपसभापति बन सकता है। आर्टिकल 89 के तहत राज्यसभा अपने सदस्यों में से उपसभापति का चुनाव करती है। इसमें यह शर्त नहीं है कि सदस्य निर्वाचित ही होना चाहिए।

यूपी में अंतिम मतदाता सूची जारी...

एसआईआर के बाद 2 करोड़ मतदाताओं के नाम कटे,कुल वोटर 13.39 करोड़

लखनऊ,10 अप्रैल 2026। यूपी में 166 दिन तक चली विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के बाद (एसआईआर) प्रदेश की अंतिम मतदाता सूची जारी कर दी गई है। इस सूची के अनुसार प्रदेश में 13 करोड़ 39 लाख 84 हजार 792 मतदाता हैं। प्रदेश के कुल मतदाताओं में 54.54 प्रतिशत पुरुष, जबकि 45.46 प्रतिशत महिला मतदाता हैं। इसके पहले, प्रदेश में 27 अक्टूबर 2025 को फ्रीज मतदाता सूची में 15.44 करोड़ मतदाता थे। एसआईआर के बाद प्रदेश में 13 करोड़ 39 लाख मतदाता रह गए हैं। एसआईआर की प्रक्रिया में प्रदेश में दो करोड़ (2.05) करोड़ मतदाता घट गए हैं। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने शुक्रवार को प्रेसवार्ता में अंतिम मतदाता सूची की जानकारी दी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी के अनुसार 6 जनवरी को जारी की गई मसौदा मतदाता सूची के सापेक्ष अंतिम मतदाता सूची में कुल 84 लाख 28 हजार 767 मतदाताओं की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के नाम छूट गए हैं वो मतदाता फॉर्म 6 भरकर सूची में शामिल हो सकते हैं। जारी की गई अंतिम मतदाता सूची के अनुसार, प्रदेश में पुरुष मतदाताओं की संख्या 7 करोड़, 30 लाख, 71 हजार 61 है। जबकि महिला मतदाताओं की संख्या 6 करोड़, नौ लाख,नौ हजार 525 है। वहीं, तृतीय लिंग के मतदाताओं की संख्या 4 हजार 206 है। प्रदेश में 18 से 19 आयुवर्ग के मतदाताओं की कुल संख्या 17 लाख, 63 हजार 360 है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा का इस्तीफा

घर में 500 के नोटों के बंडल जले मिले थे,सुप्रीम कोर्ट की जांच में दोषी

प्रयागराज,10 अप्रैल 2026। इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा ने राष्ट्रपति को इस्तीफा भेज दिया है। 14 मार्च 2025 को उनके दिल्ली स्थित सरकारी घर में आग लगने के दौरान 500-500 के नोटों के बंडल जले मिले थे।

इसके बाद उन्हें दिल्ली हाईकोर्ट से इलाहाबाद हाईकोर्ट ट्रांसफर कर दिया गया था। उन्होंने 5 अप्रैल 2025 को इलाहाबाद हाईकोर्ट में शपथ ली थी, लेकिन उन्हें कोई जिम्मेदारी नहीं दी गई थी। मामले की जांच पूरी होने तक उन्हें न्यायिक कामों से दूर रखा गया था। जस्टिस वर्मा ने 9 अप्रैल को इस्तीफा भेजा था, लेकिन न्यूज एजेंसी ने अगले दिन, यानी 10 अप्रैल को इसकी जानकारी दी।

जस्टिस वर्मा ने महाभियोग प्रस्ताव को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी : लोकसभा में जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाया गया था। उन्होंने इसे चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। इसमें कहा था कि दोनों सदनों में महाभियोग प्रस्ताव लाया गया था, लेकिन राज्यसभा ने उसे मंजूर नहीं किया। इसके बावजूद लोकसभा ने जांच समिति बना दी, जो गलत है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि लोकसभा स्पीकर की ओर से गठित संसदीय जांच पैनल में कुछ खामी दिखाई देती है। लेकिन जजेज इन्क्वायरी एक्ट के तहत लोकसभा स्पीकर के पास यह अधिकार है कि वह जस्टिस वर्मा के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के लिए समिति गठित कर सकें, भले ही राज्यसभा में ऐसा प्रस्ताव खारिज हो चुका हो

इस्तीफे में लिखा...गहरे दुःख के साथ पद छोड़ रहा

जस्टिस वर्मा ने इस्तीफे में लिखा है...मैं आपके सम्मानित कार्यालय को उन कारणों से परेशान नहीं करना चाहता,जिनकी वजह से मुझे यह पत्र लिखना पड़ रहा है। लेकिन गहरे दुख के साथ मैं इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश पद से तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे रहा हूं। इस पद पर सेवा करना मेरे लिए सम्मान की बात रही है।

सुप्रीम कोर्ट की कमेटी ने जस्टिस वर्मा को दोषी माना

सुप्रीम कोर्ट के चीफ संजीव खन्ना ने 22 मार्च को जस्टिस वर्मा पर लगे आरोपों की इंटरनल जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी बनाई थी। इसने 4 मई को सीजेआई को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी। इसमें जस्टिस वर्मा को दोषी ठहराया गया था।

बंगाल चुनाव से पहले बीजेपी का घोषणा पत्र जारी...यूसीसी से लेकर महिलाओं को 3000 रुपये तक के बड़े वादे

45 दिन के अंदर 7 वां वेतन आयोग लागू करेंगे,यूसीसी भी लागू होगा : शाह

कोलकाता,10 अप्रैल 2026। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के दौरे में है। इस दौरान वह विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का घोषणापत्र जारी कर रहे हैं। अमित शाह ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के लिए भारतीय जनता पार्टी का घोषणापत्र जारी करते हुए इसे 'भरोसे का पत्र' बताया। पार्टी ने इसे 'सोनार बांग्ला' का रोडमैप बताते हुए विकास, रोजगार, महिला सशक्तिकरण और राष्ट्रीय सुरक्षा पर फोकस किया है। साथ ही, उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि भाजपा बंगाल के ही बेटा को मुख्यमंत्री बनाएगी।

हर वर्ग के विकास का रोडमैप : शाह

यह संकल्प पत्र राज्य के हर वर्ग की उम्मीदों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है और मौजूदा निराशा के माहौल से बाहर निकलने का रास्ता दिखाएगा। अमित शाह के अनुसार, इस घोषणापत्र में किसानों, युवाओं और महिलाओं के लिए विशेष योजनाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में आ रही चुनौतियों से जूझ रहे किसानों को इससे नई दिशा मिलेगी, जबकि युवाओं और महिलाओं के सशक्तिकरण पर भी खास जोर दिया गया है। इसके साथ ही बंगाल की सांस्कृतिक पहचान और गौरव को पुर्नस्थापित करने की बात भी इसमें प्रमुख रूप से शामिल है। महिलाओं के सशक्तिकरण को प्राथमिकता देते हुए राज्य में पुलिस बल सहित सभी सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का वादा किया गया है। इसके साथ ही 75 लाख महिलाओं को 'लखपति दीदी' बनाने का लक्ष्य रखा गया है। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए हर मंडल में महिला थाने और महिला डेस्क स्थापित करने की योजना है, ताकि महिलाओं को बेहतर और त्वरित सहायता मिल सके। यह भी कहा गया है कि ऐसा माहौल तैयार किया जाएगा, जहां महिलाओं की सुरक्षा पर सवाल न उठे और उन्हें किसी भी समय बाहर निकलने में असुरक्षा महसूस न हो। इसके अलावा, गर्भवती महिलाओं को 21 हजार रुपये की आर्थिक सहायता और 6 पोषण किट देने की योजना है।

युवाओं को हर महीने मिलेगा 3,000 रुपये का भत्ता

अमित शाह ने कहा कि हाल ही में स्नातक पूरा करने वाले युवाओं को हर महीने 3,000 रुपये का भत्ता देने का वादा किया गया है, ताकि वे अपने करियर की शुरुआत में आर्थिक सहयोग प्राप्त कर सकें। इसके साथ ही, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों को 15,000 रुपये की एकमुश्त आर्थिक सहायता देने की योजना भी शामिल है, जिससे उनकी पढ़ाई और तैयारी में मदद मिल सके। इसके अलावा पेपर लीक और भर्ती प्रक्रियाओं में भ्रष्टाचार के कारण जिन युवाओं ने आयु सीमा पार कर ली है, उन्हें विशेष राहत देने का प्रस्ताव रखा गया है। ऐसे उम्मीदवारों को अधिकतम पांच साल तक की आयु सीमा में छूट दी जाएगी, ताकि वे दोबारा अवसर पा सकें। 2015 के बाद से जिन युवाओं को सरकारी नौकरियों में अवसर नहीं मिल पाए हैं, उनके लिए भी पर्याप्त भर्ती अवसर सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया गया है।

महिलाओं और सरकारी कर्मचारियों के लिए बड़ा ऐलान

अमित शाह ने सरकारी कर्मचारियों के लिए बड़ा एलान करते हुए कहा कि सभी सरकारी कर्मचारियों और वेतनभोगियों के लिए डीए सुनिश्चित किया जाएगा और 45 दिनों के भीतर ही सातवें वेतन आयोग और आयुष्मान भारत समेत भारत सरकार की सभी योजनाओं को लागू करेंगे। साथ ही छह माह के अंदर ही यूसीसी भी लागू करेंगे। महिलाओं के लिए एलान करते हुए कहा कि हमारी सरकार 'लक्ष्मी भंडार' योजना के लाभार्थियों को हर महीने 1 से 5 तारीख तक खाते में 3 हजार रुपए ट्रांसफर करेगी।

10,000 रूपए से ज्यादा के ऑनलाइन-पेमेंट पर 1 घंटे का होल्ड

गलत ट्रांजैक्शन कैंसिल करने का मौका मिलेगा आरबीआई ने 'किल स्विच' का सुझाव भी दिया

मुंबई,10 अप्रैल 2026। जल्द ही ऐसा हो सकता है कि आपका 10 हजार से ज्यादा का ऑनलाइन ट्रांजैक्शन तुरंत न हो। उसमें 1 घंटे की देरी हो सकती है। इससे ग्राहकों को गलत ट्रांजैक्शन रोकने या कैंसिल करने का मौका मिलेगा। देश में बढ़ते डिजिटल फ्रॉड को रोकने के लिए आरबीआई ने ये प्रस्ताव रखा है। आरबीआई का मानना है कि जालसाज अक्सर मनोवैज्ञानिक दबाव बनाकर जल्दबाजी में पैसे ट्रांसफर करवाते हैं, यह देरी उस दबाव को खत्म करेगी। फिलहाल ज्यादातर डिजिटल ट्रांजैक्शन तुरंत होते हैं, जिससे यूजर को सोचने या गलती सुधारने का मौका नहीं मिलता।

सीनियर सिटीजंस के लिए 'ट्रस्टेड पर्सन' सुविधा

70 साल से ज्यादा उम्र के बुजुर्गों और दिव्यांगों के लिए सुरक्षा और सख्त होगी। 50,000 रुपए से ज्यादा के ट्रांजैक्शन के लिए एक 'ट्रस्टेड पर्सन' (भरोसेमंद व्यक्ति) की मंजूरी जरूरी हो सकती है। यह फ्रॉड के खिलाफ सुरक्षा की एक दूसरी लेयर की तरह काम करेगा।

भरोसेमंद को 'व्हाइटलिस्ट' में शामिल कर सकेंगे

अगर आप किसी ऐसे व्यक्ति या मर्चेंट को पैसे भेज रहे हैं, जिसे आप जानते हैं,तो आप उसे अपनी 'व्हाइटलिस्ट' में शामिल कर सकते हैं। व्हाइटलिस्टेड लोगों को पेमेंट करने पर यह 1 घंटे की देरी लागू नहीं होगी, जिससे नियमित लेन-देन में परेशानी नहीं आएगी।

डिजिटल पेमेंट बंद करने के लिए 'किल स्विच'

आरबीआई ने एक 'किल स्विच' का सुझाव भी दिया है। अगर किसी ग्राहक को लगता है कि उसका अकाउंट हैक हो गया है या कोई गलत ट्रांजैक्शन हो रहा है,तो वह एक क्लिक से अपनी सभी डिजिटल पेमेंट सेवाओं को तुरंत बंद कर सकेगा।

114 नए राफेल स्वदेशी मिसाइलों से लैस होंगे,18 जेट फ्रांस से आएंगे,96 भारत में बनेंगे,सोर्स कोड नहीं मिलेगा

नई दिल्ली,10 अप्रैल 2026। भारत फ्रांस से 114 नए राफेल फाइटर जेट खरीद रहा है। इन जेट्स को स्वदेशी मिसाइलों और हथियार सिस्टम से लैस किया जाएगा। एचटी की रिपोर्ट के मुताबिक, डील में इंटरफेस कंट्रोल डॉक्यूमेंट शामिल किया जाएगा। इसके जरिए तय होगा कि राफेल जेट और स्वदेशी हथियार आपस में कैसे जुड़ेंगे और साथ काम करेंगे। रक्षा मंत्रालय अगले महीने राफेल फाइटर जेट बनाने वाली फ्रांसीसी कंपनी डसॉल्ट एविएशन को रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल जारी करेगा। इसके बाद कॉन्ट्रैक्ट पर बातचीत शुरू होगी। इस सौदे को फेंस एक्विजिशन काउंसिल ने 12 फरवरी को मंजूरी दी थी। 114 में से 18 राफेल जेट्स फ्रांस से फ्लाई-अवे कंडीशन में मिलेंगे। बाकी 96 जेट्स भारत में बनाए जाएंगे, जिसमें 25% कलपुर्जे स्वदेशी होंगे।

फ्रांस सोर्स कोड शेयर नहीं करेगा

रिपोर्ट्स में कहा गया कि फ्रांस सोर्स कोड देने को तैयार नहीं है। अधिकारियों के मुताबिक,कोई भी देश अपने फाइटर जेट का सोर्स कोड साझा नहीं करता। यही कोड रडार,इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर, टारगेट ट्रैकिंग और हथियार सिस्टम को कंट्रोल करता है, इसलिए इसे साझा नहीं किया जाता। हालांकि, डील पर इसका असर नहीं है।

देश में एलपीजी वितरकों और पेट्रोल पंपों के पास ईंधन के पर्याप्त स्टॉक : सुजाता शर्मा

नई दिल्ली,10 अप्रैल 2026। पश्चिम एशिया संकट के बीच सरकार ने शुक्रवार को कहा कि देश में एलपीजी वितरकों और पेट्रोल पंपों के पास ईंधन के पर्याप्त स्टॉक हैं। सरकार ने बताया कि किसी भी तरह की कमी की कोई रिपोर्ट नहीं है। घरेलू रसोई गैस यानी एलपीजी की सप्लाई सामान्य बनी हुई है, जिसमें 98 फीसदी बुकिंग ऑनलाइन हो रही है, जबकि कमर्शियल एलपीजी की सप्लाई 70 फीसदी तक बहाल हो गई है। पेट्रोलियम और नेचुरल गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव (मार्केटिंग और ऑयल रिफाइनरी) सुजाता शर्मा ने अंतर-मंत्रालयी प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए यह जानकारी दी। सुजाता शर्मा ने बताया कि 14 मार्च से अब तक लगभग 1,06,000 टन कमर्शियल एलपीजी बिक चुकी है और रोजाना 6,000 से 6,500 टन की बिक्री हो रही है। उन्होंने बताया कि सहायता उपायों में बिना किसी आईडी के 5 किलो वाले गैस सिलेंडर की सप्लाई को दोगुना करना शामिल है। शर्मा ने कहा कि रोजाना लगभग 1 लाख सिलेंडर बिक रहे हैं, जबकि 23 मार्च से अब तक कुल 11 लाख सिलेंडर बिक चुके हैं। उद्योगों को होने वाली लगभग 80 फीसदी सप्लाई बहाल हो गई है और उर्वरक क्षेत्र को होने वाली सप्लाई 95 फीसदी तक बहाल हो चुकी है।

रेगिस्तान में दिखी 'ब्रह्मास्त्र' की ताकत अपाचे ने किया अपनी घातक क्षमता का प्रदर्शन

जोधपुर,10 अप्रैल 2026। भारतीय सेना ने पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में अपने अत्याधुनिक अटैक हेलीकॉप्टरों के साथ युद्धाभ्यास का प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन 'ब्रह्मास्त्र युद्धाभ्यास' के तहत आयोजित किया गया, जहां आसमान से बरसती फायरपावर ने सेना की तकनीकी श्रेष्ठता और मारक क्षमता को जीवंत रूप से सामने रखा। इसमें अमेरिका की सबसे एडवांस्ड हेलफायर मिसाइलों के धमाके भी हुए। दावा है कि इन्हीं मिसाइलों का पिछले साल ईरान पर हमले में इस्तेमाल किया गया था। हेलफायर के अलावा राजस्थान के आसमान से अपाचे हेलिकॉप्टर ने भी अचूक निशान लगाए। कमांड सेंटर से दुश्मनों के ड्रोन्स को भी ब्लास्ट किया गया। इस युद्धाभ्यास ने मॉडर्न वॉर प्लांड को टेस्ट किया। सेना के अधिकारियों का कहना है कि आर्मी में नए हेलिकॉप्टर्स की एंट्री से ऐतिहासिक बदलाव हुआ है। युद्धाभ्यास में अमेरिका में बनीं एजीएम-114 हेलफायर मिसाइलों का भी इस्तेमाल हुआ। इनसे आठ किलोमीटर दूर एक टैंक सहित दूसरे निशाने उड़ाए गए। इसके बाद हेलिकॉप्टर ने नीचे आकर 70 एमएम हाइड्रा रॉकेटों से हमला किए।

संपादकीय

संसदीय कामकाज की बदलती संस्कृति

भारतीय संसदीय लोकतंत्र की यात्रा केवल संस्थाओं के सुदृढ़ीकरण की कहानी नहीं है...यह उस अटूट संकल्प की गाथा है,जो प्रत्येक चुनौती को अवसर में और प्रत्येक संकट को नवनिर्माण की शक्ति में परिवर्तित करती है...

भारत का लोकतंत्र बहुलतावाद पर आधारित राष्ट्रीयता की उस उदात्त कल्पना पर प्रतिष्ठित है, जिसमें विविधता को शक्ति माना गया है। भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत उसकी संवैधानिक संस्थाएं हैं। संसद इन संस्थाओं का सर्वोच्च मंच है। इस सदन में व्यक्त होने वाली हर आवाज देश के करोड़ों नागरिकों की आशाओं और अपेक्षाओं का प्रतिनिधित्व करती है। लोकसभा अध्यक्ष का पद भारतीय संसदीय लोकतंत्र में सर्वोच्च गरिमापूर्ण,निष्पक्ष और शक्तिसंपन्न संवैधानिक पद है। संविधान के अनुच्छेद 93 के अंतर्गत निर्वाचित लोकसभा के अध्यक्ष/ उपाध्यक्ष सदन की कार्यवाही के सुचारु संचालन, नियमों के पालन, सांसदों के अनुशासन, विशेषाधिकारों की रक्षा और सदन की सर्वोच्चता बनाए रखने के लिए संरक्षक के रूप में कार्य करते हैं।

वर्तमान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को 19 जून, 2019 को 17 वीं लोकसभा का अध्यक्ष सर्वसम्मति से निर्वाचित किया गया। इस निर्वाचन में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के साथ-साथ प्रमुख विपक्षी दलों ने भी अपना समर्थन दिया। यह व्यापक सहमति इस विश्वास का प्रमाण थी कि वे सदन को संतुलित, प्रभावी और अनुशासित रीति से संचालित करने की क्षमता रखते हैं। अध्यक्ष पद ग्रहण करने के उपरांत उन्होंने जो सुधारात्मक प्रयास और संस्थागत नवाचार किए, उनसे न केवल लोकसभा की कार्य संस्कृति में सकारात्मक परिवर्तन आया,अपितु सदन की कार्यक्षमता में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

ओम बिरला ने सदन की कार्यवाही में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को प्रोत्साहित कर दशकों से चली आ रही परिपाटी को नई दिशा दी है। लोकतंत्र में वैचारिक मतभेद स्वाभाविक एवं अपेक्षित हैं,किंतु वे मनभेद में परिवर्तित नहीं होने चाहिए। वैचारिक विविधता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता ही लोकतंत्र को जीवंत बनाती है। तथापि,मतभेदों की अभिव्यक्ति नियमों और संसदीय प्रक्रियाओं के दायरे में ही सार्थक होती है। ओम बिरला ने जिस संयम के साथ विभिन्न परिस्थितियों का सामना किया,वह न केवल सराहनीय है,अपितु विधानसभाओं के लिए भी एक आदर्श उदाहरण है। उनके कार्यकाल का एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण पहलू संसदीय प्रणाली के संस्थागत सुदृढ़ीकरण से संबंधित है। इसी दिशा में नवनिर्वाचित सांसदों के लिए प्रबोधन कार्यक्रम (ओरिएंटेशन प्रोग्राम) एक सुव्यवस्थित और प्रभावी प्रशिक्षण सत्र के रूप में स्थापित किया गया,जो उन्हें संसदीय प्रक्रियाओं, नियमों,विधायी कार्य तथा उनके अधिकारों एवं कर्तव्यों से सुपरिचित कराता है। इससे न केवल सांसदों की सदन में भागीदारी अधिक प्रभावी हुई, बल्कि बहसों की गुणवत्ता में भी ठोस सुधार परिलक्षित हुआ।

संसदीय समिति प्रणाली विधायी प्रक्रिया की दक्षता,जवाबदेही और समावेशिता को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लोकसभा के संसदीय शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान प्राइड (पार्लियामेंटरी रिसर्च एंड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट फार डेमोक्रेसीज) के माध्यम से विभिन्न विधानसभाओं तथा संसद के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

आस्था का बाज़ारीकरण : वीआईपी दर्शन और आम श्रद्धालु की उपेक्षा पर एक गंभीर सवाल

वीआईपी दर्शन के बढ़ते चलन में आम श्रद्धालु कहाँ खड़ा है?

डॉ. सत्यवान सौरभ
भिवानी,हरियाणा

भारत जैसे देश में, जहाँ धर्म और आस्था केवल व्यक्तिगत विश्वास का विषय नहीं बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं,वहाँ मंदिरों और तीर्थ स्थलों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है...ये स्थान सदियों से समानता,शांति,और आध्यात्मिक संतुलन के प्रतीक माने जाते रहे हैं..."भगवान के दरबार में सब बराबर हैं"–यह वाक्य केवल एक आदर्श नहीं, बल्कि भारतीय समाज की गहरी मान्यता रहा है... लेकिन बीते कुछ वर्षों में इस मान्यता पर प्रश्नचिह्न लगते दिखाई दे रहे हैं...

देश के कई प्रमुख मंदिरों और तीर्थ स्थलों पर वीआईपी दर्शन,विशेष पूजन-अभिषेक और आरती के नाम पर भारी शुल्क वसूले जा रहे हैं। इन सेवाओं के बदले श्रद्धालुओं को लंबी कतारों से मुक्ति,कम समय में दर्शन,और अधिक सुविधाजनक अनुभव दिया जाता है। पहली नजर में यह व्यवस्था एक विकल्प के रूप में दिखाई देती है, लेकिन जब इसका असर आम श्रद्धालुओं के अनुभव पर पड़ता है, तब यह एक गंभीर सामाजिक समस्या बन जाती है।

आज स्थिति यह है कि एक ओर वे लोग हैं जो अतिरिक्त पैसे देकर कुछ ही मिनटों में आराम से दर्शन कर लेते हैं, वहीं दूसरी ओर बड़ी संख्या में आम लोग घंटों,कभी-कभी पूरे दिन,कतारों में खड़े रहते हैं। इस दौरान उन्हें भीड़, धक्का-मुक्की,बदतमीजी और कई बार मारपीट जैसी स्थितियों का सामना करना पड़ता है। यह अनुभव केवल असुविधा जनक नहीं,बल्कि अपमानजनक भी होता है–विशेषकर तब जब व्यक्ति अपनी आस्था और श्रद्धा के साथ वहां पहुंचा हो।

यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या आस्था भी अब एक प्रीमियम सेवा बनती जा रही है? क्या भगवान के दर्शन के लिए भी आर्थिक स्थिति के आधार पर भेदभाव होना चाहिए? यह स्थिति केवल धार्मिक स्थलों तक सीमित नहीं है,बल्कि यह हमारे समाज में बढ़ती असमानता का प्रतिबिंब भी है। राशन की दुकानों से लेकर गैस सिलेंडर की लाइन तक,और अब मंदिरों तक–मिडल क्लास और आम आदमी के हिस्से में अक्सर अव्यवस्था और संघर्ष ही आता है।

वीआईपी संस्कृति के पक्ष में तर्क दिया जाता है कि इससे मंदिरों को अतिरिक्त राजस्व मिलता है,जिससे उनकी

व्यवस्था और सुविधाओं को बेहतर बनाया जा सकता है। यह तर्क कुछ हद तक सही भी है। बड़े मंदिरों में रोजाना लाखों श्रद्धालु आते हैं,जिनकी व्यवस्था करना आसान नहीं होता। ऐसे में यदि कुछ लोग अतिरिक्त शुल्क देकर अलग व्यवस्था चाहते हैं, तो उससे प्राप्त धन का उपयोग सार्वजनिक सुविधाओं में किया जा सकता है।

लेकिन समस्या तब उत्पन्न होती है जब यह व्यवस्था असंतुलित हो जाती है। जब वीआईपी सुविधाएं इतनी अधिक हो जाती हैं कि आम श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध संसाधन और समय कम पड़ने लगते हैं, तब यह एक प्रकार का अन्याय बन जाता है। कई बार देखा गया है कि वीआईपी दर्शन के लिए सामान्य कतारों को रोका जाता है, जिससे आम लोगों का इंतजार और बढ़ जाता है। इससे असंतोष और आक्रोश पैदा होना स्वाभाविक है। इसके अलावा,मंदिरों में कार्यरत कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों का व्यवहार भी एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। कई मामलों में आम श्रद्धालुओं के साथ कठोर और अपमानजनक व्यवहार किया जाता है,जबकि वीआईपी लोगों के साथ अत्यधिक विनम्रता दिखाई जाती है। यह दोहरा व्यवहार समाज में पहले से मौजूद वर्ग विभाजन को और गहरा करता है। धार्मिक स्थलों की मूल भावना पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। मंदिर केवल पूजा का स्थान नहीं होते, बल्कि वे मानसिक शांति और आत्मिक संतुलन के केंद्र होते हैं। जब वहां पहुंचने वाला व्यक्ति अव्यवस्था,भीड़ और भेदभाव का सामना करता है, तो उसकी आध्यात्मिक अनुभूति प्रभावित होती है। यह अनुभव उसे निराश और हताश कर सकता है।

इस समस्या का समाधान आसान नहीं है,लेकिन असंभव भी नहीं। सबसे पहले,मंदिर प्रशासन को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वीआईपी सेवाओं की संख्या और प्रभाव सीमित रहे। इन सेवाओं का उद्देश्य केवल अतिरिक्त सुविधा प्रदान करना होना चाहिए,न कि आम श्रद्धालुओं के अधिकारों को कम करना।

दूसरा, भीड़ प्रबंधन के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा सकता है। ऑनलाइन बुकिंग, टाइम स्लॉट सिस्टम,और डिजिटल कतार प्रबंधन जैसे उपायों से भीड़ को बेहतर तरीके से नियंत्रित किया जा सकता है। इससे सभी श्रद्धालुओं को एक व्यवस्थित और सम्मानजनक अनुभव मिल सकता है।

तीसरा,कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों को संवेदनशीलता और शिष्टाचार का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। हर श्रद्धालु,चाहे वह वीआईपी हो या आम व्यक्ति,सम्मान का पात्र है। यह भावना केवल नीतियों में नहीं, बल्कि व्यवहार में भी दिखाई देनी चाहिए।

चौथा,सरकार और संबंधित ट्रस्टों को इस मुद्दे पर स्पष्ट दिशा-निर्देश बनाने चाहिए। धार्मिक स्थलों पर समानता और पारदर्शिता सुनिश्चित करना केवल प्रशासनिक नहीं,बल्कि नैतिक जिम्मेदारी भी है।

अंततः,यह भी जरूरी है कि समाज स्वयं इस मुद्दे पर जागरूक हो। जब तक लोग इस असमानता को सामान्य मानते रहेंगे,तब तक इसमें बदलाव आना कठिन है। आस्था का अर्थ केवल पूजा-पाठ नहीं, बल्कि समानता, करुणा और न्याय जैसे मूल्यों को अपनाना भी है। आज समय आ गया है कि हम यह सोचें कि हम किस दिशा में जा रहे हैं। क्या हम ऐसे समाज की ओर बढ़ रहे हैं जहाँ भगवान के दर्शन भी पैसे और पहुँच के आधार पर तय होंगे? या हम उस मूल भावना को बचाए रखेंगे,जिसमें हर व्यक्ति को समान अधिकार और सम्मान प्राप्त हो?

मंदिरों की पवित्रता केवल उनकी भव्यता या व्यवस्था से नहीं, बल्कि वहां मिलने वाले अनुभव से तय होती है। यदि वह अनुभव भेदभाव और असमानता से भरा होगा,तो आस्था की नींव कमजोर पड़ जाएगी। इसलिए यह जरूरी है कि हम इस मुद्दे को गंभीरता से लें और मिलकर एक ऐसा वातावरण बनाएं,जहाँ हर श्रद्धालु को यह महसूस हो कि वह वास्तव में भगवान के दरबार में है–जहाँ सब बराबर हैं।

गालो...मुस्कुरा लो...महफिलें सजा लो,क्योंकि जीवन की डोर बड़ी कमजोर

डॉ. मुश्ताक़ अहमद शाह सहज़
हरदा मध्य प्रदेश

यह पंक्तियाँ मात्र शब्द नहीं बल्कि एक मुकम्मल फ़लसफ़ा हैं जो हमें इंसानियत, रूहानियत और इस क़ायनात की हक़ीक़त से रूबरू कराती हैं। आध्यात्मिक दृष्टि से देखा जाए तो जीवन की डोर उन सूक्ष्म सांसों और रिश्तों का प्रतीक है जो हमें इस भौतिक जगत से बांधे हुए हैं,लेकिन यह डोर जितनी प्रत्यक्ष रूप से सुदृढ़ लगती है, वास्तविकता में उतनी ही नाज़ुक और क्षणभंगुर नश्वर है। यह हमें बोध कराती है कि प्रत्येक मनुष्य इस संसार में एक मुसाफिर की तरह है और यहाँ के तमाम रिश्ते-नाते,अपने पराए महज़ एक अस्थायी पड़ाव हैं। जब हम इस सत्य को हृदय से स्वीकार कर लेते हैं कि यह डोर अत्यंत कमज़ोर है, तब हमारे भीतर से संसार का मोह और व्यर्थ की चिंताएं समाप्त होने लगती हैं और हम उस सच्ची ख़ुशी की तलाश शुरू करते हैं जो समय की सीमाओं से परे है। रूहानियत या आध्यात्मिकता में मृत्यु कोई अंत नहीं बल्कि एक अनंत यात्रा का प्रारंभ है, जहाँ आत्मा अपने नश्वर शरीर के पिंजरे को छोड़कर परमात्मा के चरणों में विलीन हो जाती है। जिस प्रकार एक पतंग आकाश की ऊंचाइयों में तब तक लहराती है जब तक वह डोर से जुड़ी है, उसी प्रकार मनुष्य का अस्तित्व भी परमात्मा की इच्छा और कर्मों के अधीन है। डोर टूटने का आध्यात्मिक अर्थ यह है कि अब आत्मा का इस मृगतृष्णा वाले संसार से नाता टूटकर अपने मूल स्रोत से जुड़ गया है। यह पंक्तियाँ हमें वर्तमान में जीने का महान संदेश देती हैं;चूँकि जीवन का हर पल अनिश्चित है, इसलिए इसका सबसे श्रेष्ठ उपयोग यही है कि हम प्रेम बांटें,मुस्कुराहटें बिखेरें और खुशियों की महफिलें सजाएं। यही निःस्वार्थ सेवा और प्रेम ही वास्तविक आध्यात्मिक प्रगति है जहाँ मनुष्य स्वयं के दुःखों से ऊपर उठकर दूसरों के लिए सुकून का कारण बनता है। यह दर्शन हमें सिखाता है कि जीवन की नश्वरता से डरने के बजाय उसे सहजता से स्वीकार करना चाहिए,क्योंकि जब हम अपनी जीवन रूपी डोर उस परमशक्ति सर्वशक्तिमान इश्वर के हाथों में सौंप देते हैं, तो भय और व्याकुलता का स्थान अटूट विश्वास और शांति ले लेती है। संसार की यह चमक-धमक जिसे माया कहा गया है, दरअसल आत्मा के विकास की एक पाठशाला है जहाँ हर सुख और दुख हमें परिपक्व बनाने के लिए आता है। अंततः, जीवन की कमज़ोर डोर का आध्यात्मिक निष्कर्ष यही है कि हम इस फ़ानी ख़त्म होजने वाली दुनिया में रहते हुए भी अपनी रूह की पाकीज़गी को बनाए रखें, अपने कर्मों में शुचिता लाएं और हर पल को परमात्मा का उपहार समझकर उल्लास के साथ जिएं। यह दृष्टिकोण हमें सिखाता है कि ख़ुश रहना और दूसरों को ख़ुश रखना ही सबसे बड़ी इबादत है, क्योंकि जो डोर कमज़ोर है वही हमें उस अमर शक्ति से जोड़ने का एकमात्र ज़रिया भी है।

केंद्र की राजनीति में नीतीश,बिहार में भाजपा युग

अजय कुमार,
लखनऊ,उत्तरप्रदेश

करीब दो दशकों तक बिहार की सत्ता के केंद्र में रहे नीतीश कुमार का राज्यसभा की राह पकड़ना केवल एक राजनीतिक औपचारिकता नहीं, बल्कि उस लंबे दौर का मोड़ है जिसने 2005 के बाद बिहार की राजनीति की दिशा तय की। जिस नेता ने करीब 21 वर्षों तक राज्य की सत्ता को प्रभावित किया, वही अब दिल्ली की राजनीति में नई भूमिका निभाने की तैयारी में हैं। यह बदलाव इसलिए भी अहम है क्योंकि बिहार की राजनीति लंबे समय से एक ही नेतृत्व के इर्द-गिर्द घूमती रही है और अब पहली बार इतने लंबे कार्यकाल के बाद सत्ता में बड़ा संक्रमण दिखाई दे रहा है। आंकड़ों के लिहाज से देखा जाए तो नीतीश कुमार का मुख्यमंत्री कार्यकाल बिहार के इतिहास में सबसे लंबे और प्रभावशाली कार्यकालों में गिना जाता है। नवंबर 2005 में स्थायी सरकार बनने के बाद से अप्रैल 2026 तक, अलग-अलग चरणों को जोड़कर उन्होंने लगभग 18 से 19 वर्षों तक मुख्यमंत्री पद संभाला। इस दौरान वे कुल 10 बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ले चुके हैं,जो अपने आप में एक रिकॉर्ड माना जाता है। 2000 में पहली बार वे सात दिन के लिए मुख्यमंत्री बने थे, लेकिन बहुमत साबित न कर पाने के कारण उन्हें इस्तीफा देना पड़ा। इसके बाद 24 नवंबर 2005 को दूसरी बार मुख्यमंत्री बनने के साथ ही बिहार में स्थिर सरकार का दौर शुरू हुआ।

राजनीतिक सफर के शुरुआती चरण पर नजर डालें तो 1985 में पहली बार विधायक बनने के साथ उनकी सक्रिय राजनीति शुरू हुई। उसके चार साल बाद, यानी 1989 में वे पहली बार लोकसभा पहुंचे। 1989 से 2004 तक लगातार चार बार लोकसभा सदस्य चुने जाने का रिकॉर्ड उनके नाम रहा। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार में कई महत्वपूर्ण ज़िम्मेदारियां निभाईं। 1990 के दशक में कृषि राज्य मंत्री के रूप में काम करने के बाद 1998 से 2004 के

बीच रेल मंत्री और भूतल परिवहन मंत्री जैसे अहम मंत्रालय संभाले। रेल मंत्री के रूप में उनके कार्यकाल में कई नई रेल परियोजनाएं शुरू हुईं और यात्री सुविधाओं में सुधार के प्रयास किए गए, जिससे उन्हें प्रशासनिक अनुभव मिला। 2005 में जब उन्होंने बिहार की सत्ता संभाली, तब राज्य की स्थिति कई मायनों में चुनौतीपूर्ण थी। उस समय राज्य की सड़क व्यवस्था कमजोर मानी जाती थी और ग्रामीण क्षेत्रों में संपर्क मार्गों की कमी थी। 2005 के बाद के वर्षों में हजारों किलोमीटर ग्रामीण सड़कों का निर्माण कराया गया। आंकड़ों के अनुसार, 2005 से 2020 के बीच राज्य में लाखों किलोमीटर ग्रामीण सड़कों का निर्माण और मरम्मत कार्य हुआ,जिससे गांवों को जिला मुख्यालय से जोड़ने की प्रक्रिया तेज हुई।

शिक्षा क्षेत्र में भी उनके कार्यकाल को बदलाव के दौर के रूप में देखा गया। 2006 में शुरू की गई साइकिल योजना का प्रभाव सबसे ज्यादा चर्चा में रहा। इस योजना के तहत अब तक एक करोड़ से अधिक छात्र-छात्राओं को साइकिल उपलब्ध कराई गई, जिससे खासकर लड़कियों की स्कूल पहुंच बढ़ी। 2005 में जहां माध्यमिक स्तर पर लड़कियों का नामांकन प्रतिशत अपेक्षाकृत कम था, वहीं अगले दस वर्षों में इसमें उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। इसी तरह पोशाक योजना और छात्रवृत्ति योजनाओं ने भी स्कूलों में उपस्थिति बढ़ाने में भूमिका निभाई। पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण देने का फैसला उनके शासनकाल की सबसे बड़ी प्रशासनिक पहलों में गिना जाता है। बिहार देश के उन शुरुआती राज्यों में शामिल हुआ, जहां पंचायतों में महिलाओं की भागीदारी इतनी बड़ी संख्या में बढ़ी। इसके बाद हजारों महिलाएं मुखिया, वार्ड सदस्य और जिला परिषद सदस्य के रूप में सामने आईं। इस फैसले ने ग्रामीण राजनीति का स्वरूप बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्वास्थ्य क्षेत्र में भी कई बदलाव दर्ज किए गए। 2005 के बाद प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की संख्या बढ़ाई गई और जिला अस्पतालों में सुविधाओं के विस्तार की प्रक्रिया शुरू हुई।

बे-असर सीज-फायर,वैश्विक मानवता का संकट यथावत

संजीव ठाकुर,
रायपुर छत्तीसगढ़

महायुद्ध,सीजफायर और कूटनीतिक उलझनों के बीच वर्तमान वैश्विक परिदृश्य एक ऐसे त्रिशंकु की स्थिति को जन्म देता दिखाई दे रहा है। जिसमें न केवल क्षेत्रीय शक्तियां बल्कि वैश्विक महाशक्तियां भी उलझती नजर आ रही है। अमेरिका,इजरायल, ईरान और पाकिस्तान के बीच चल रहा यह तनाव अब केवल सीमित अमेरिका इजरायल और ईरान के मध्य नहीं रह गया यह युद्ध एक वैश्विक सामरिक आर्थिक और सामाजिक संकट को पैदा कर रहा है। यह महायुद्ध अविश्वास, रणनीतिक प्रतिस्पर्धा और कूटनीतिक विफलताओं का एक जटिल और बहुस्तरीय मानवता विरोधी संघर्ष बन चुका है।,

हाल के घटनाक्रम में अमेरिका द्वारा प्रस्तावित सीजफायर को एक संभावित समाधान के रूप में देखा जा रहा था। जिसमें लेबनान को भी शामिल किया गया, इस प्रस्ताव को प्रारंभिक स्तर पर एक सकारात्मक पहल के रूप में देखा गया था क्योंकि इससे ऐसी उम्मीद जगी थी कि लगातार हो रही बमबारी और नागरिकों की मौतों पर कुछ हद तक विराम लग सकेगा। किंतु युद्ध के घटनाक्रम में ऐसी करवट ली जिससे उसने इस आशा को बहुत जल्दी निराशा में बदल दिया है और संकट की संभावनाओं को और भी जटिल तथा संघर्षपूर्ण बना दिया।

सीजफायर लागू होने के बावजूद इजरायल द्वारा लेबनान पर लगातार हमले जारी करके हजारों इमारतों को ध्वस्त कर दिया है,यह स्पष्ट संकेत है कि युद्ध के मैदानी स्तर पर सैन्य रणनीति और कूटनीतिक घोषणाओं के बीच बड़ा गहरा भयानक परिणाम देने वाला अंतर मौजूद है, इस दौरान सैकड़ों निर्दोष नागरिकों की मौत से यह संघर्ष को केवल राजनीतिक या सैन्य मुद्दा नहीं रह गया है बल्कि

इसे एक गहरे संवेदनशील मार्मिक मानवीय संकट में बदल दिया है।

यह स्थिति अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानूनों की गंभीर अवहेलना को भी उजागर करती है और वैश्विक स्तर पर संस्थाओं की प्रभाव पर सवाल खड़े करती है। महायुद्ध में संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका लगभग प्रभावहीन है वैसे भी संयुक्त राष्ट्र संघ विगत कुछ वर्षों से निष्क्रिय सा दिखाई देने लगा है उसकी अपील पर बड़े और बाहुबली देश अब ध्यान देना बंद कर चुके हैं संयुक्त राष्ट्र संघ के अस्तित्व पर कई सवालिया निशान मौजूद हैं।अमेरिका की भूमिका इस पूरे परिदृश्य में अत्यंत जटिल विरोधाभासी और अविश्वसनीय दिखाई देती है। एक ओर वह स्वयं को शांति का पक्षधर और मध्यस्थ के रूप में प्रस्तुत कर के सीजफायर का प्रस्ताव रख क्षेत्र में स्थिरता की बात करता है,वहीं दूसरी ओर उसके सहयोगी इजरायल द्वारा उसी सीजफायर का उल्लंघन किए जाने पर उसकी प्रतिक्रिया अस्पष्ट नकारात्मक और कमजोर नजर आती है। इससे यह धारणा मजबूत होती है कि अमेरिका की नीतियां नैतिकता से अधिक रणनीतिक और व्यापारिक हितों से संचालित हो रही हैं,विशेष रूप से मध्य पूर्व में उसकी दीर्घकालिक रणनीति, ऊर्जा सुरक्षा और सामरिक प्रभुत्व की नीति इस पूरे घटनाक्रम को प्रभावित कर रही है।

दूसरी तरफ ईरान इस संघर्ष में अपने पारंपरिक प्रतिरोधी रुख को और अधिक सुदृढ़ करता हुआ दिखाई देता है, वह न केवल इजरायल की कार्रवाइयों का खुलकर विरोध कर रहा है बल्कि क्षेत्रीय स्तर पर अपने प्रभाव को बनाए रखने और बढ़ाने के लिए सक्रिय रूप से प्रयासरत है। ईरान के लिए यह संघर्ष केवल सैन्य नहीं बल्कि वैचारिक और राजनीतिक भी है जिसमें वह स्वयं को क्षेत्रीय संतुलन का एक महत्वपूर्ण केंद्र मानता है।

पाकिस्तान की स्थिति इस पूरे परिदृश्य में सबसे अधिक दुविधाजनक और जटिल बन गई है, उसने अमेरिका के संदेश को ईरान तक पहुंचाकर एक मध्यस्थ की भूमिका निभाने का प्रयास किया, यह प्रयास कूटनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण था क्योंकि इससे यह संकेत मिलता है कि पाकिस्तान क्षेत्रीय शांति प्रक्रिया में अपनी भूमिका स्थापित करना चाहता है, किंतु जब अमेरिका स्वयं अपने प्रस्ताव से पीछे हटता हुआ नजर आया और इजरायल ने सीजफायर का उल्लंघन जारी रखा,तब पाकिस्तान की स्थिति कमजोर पड़ गई है। वह न तो पूरी तरह अमेरिका के साथ खड़ा रह सका और न ही ईरान के साथ खुलकर अपनी स्थिति स्पष्ट कर पाया, परिणामस्वरूप वह एक त्रिशंकु बनकर युद्ध की विचित्र स्थिति में फंस गया है। जहां उसकी विश्वसनीयता और कूटनीतिक संतुलन दोनों पर संकट उत्पन्न हो गया है, पाकिस्तान के सामने यह चुनौती इसलिए भी गंभीर है क्योंकि उसे अपने पारंपरिक पश्चिमी सहयोगियों और इस्लामी विश्व के बीच संतुलन बनाए रखना पड़ता है। इस पूरे घटनाक्रम में लेबनान सबसे अधिक पीड़ित पक्ष के रूप में सामने आया है जहां आम नागरिकों ने इस संघर्ष की सबसे बड़ी कीमत चुकाई है। उसका बुनियादी ढांचा नष्ट हो चुका है, हजारों लोग विस्थापित हो गए हैं और मानवीय संकट दिन-प्रतिदिन गहराता जा रहा है।

यह स्थिति वैश्विक समुदाय के लिए एक चेतावनी है कि यदि समय रहते प्रभावी और निष्पक्ष हस्तक्षेप नहीं किया गया तो यह संघर्ष व्यापक महायुद्ध का रूप ले सकता है। वर्तमान परिस्थितियां यह भी दर्शाती हैं कि वैश्विक राजनीति में शक्ति संतुलन तेजी से बदल रहा है और पारंपरिक गठबंधन अब पहले की तरह स्थिर नहीं रह गए हैं ।

नारी शिक्षा के अग्रदूत

संजय एम तराणेकर
इन्दौर मध्य प्रदेश

ये ज्ञान का दीप जलाने वाले अंधियारे को हरने आए,
सत्य-समता के पथिक बनकर नई दिशाएँ दिखलाए।
जिन्होंने तोड़ी है यहाँ बेड़ियाँ;रूढ़ी और अन्याय की,
जन-जन को अधिकार की बात शिक्षा व सम्मान की।
साथ में थीं साहस की मूर्ति,सावित्रीबाई फुले महान,
जिनके कदमों से खिल उठा था नारी शिक्षा का गान।
यूं छुआछूत के घोर अंधेरों में आशा की किरण जगाई,
दलित-पीड़ित हर जन-जन को जीने की राह है बताई।
इनकी कलम उठी तो शब्द बने क्रांति की एक पुकार,
समानता का स्वप्न सजाया बदला समाज का व्यवहार।
ऐसे थे फुले महान युगों तक जिनकी गाथा करें बखान,
उनके आदर्शों की रोशनी से जगमगाता रहें हिंदुस्तान।

सूचना
समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
–सम्पादक

CMYK

विधवा के मकान पर चला बुलडोजर
भाजपा नेता ने दिया इस्तीफा.....

पक्षपातपूर्ण कार्रवाई का आरोप,कई अवैध कब्जों पर कार्रवाई नहीं होने से नाराजगी

-संवाददाता-
अंबिकापुर/मैनपाट,10 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।
मैनपाट विकासखंड के ग्राम रोपाखार में शुक्रवार सुबह प्रशासन ने शासकीय जमीन पर बने एक मकान को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया। यह मकान एक विधवा महिला का बताया जा रहा है। कार्रवाई के बाद क्षेत्र में नाराजगी का माहौल है और मामले ने राजनीतिक रंग भी ले लिया है। विधवा महिला का आरोप है कि मैनपाट क्षेत्र के कई गांवों में वर्षों से अवैध कब्जे बने हुए हैं,लेकिन प्रशासन उन पर कोई कार्रवाई नहीं कर रहा। इसके विपरीत उनके मकान को निशाना बनाया गया। महिला के भाई एवं मैनपाट भाजपा मंडल के महामंत्री रहे गौतम पैकरा ने बताया कि उनकी बहन खसरा नंबर 853 की भूमि के एक छोटे हिस्से पर मकान बनाकर रह रही थी। उन्हें वन अधिकार पत्र भी मिला था, लेकिन उसमें त्रुटिवश खसरा नंबर 754 दर्ज हो गया। इस त्रुटि के सुधार के लिए कलेक्टर सरगुजा के समक्ष आवेदन दिया गया था। इसी बीच अंबिकापुर निवासी एक व्यक्ति की शिकायत पर तहसील प्रशासन ने मकान को अवैध कब्जा मानते हुए कार्रवाई कर दी।

दर्जनों अतिक्रमण पर कार्रवाई नहीं

गौतम पैकरा ने आरोप लगाया कि रोपाखार, केसरा और नर्मदापुर पंचायत सहित कई गांवों में अतिक्रमण हटाने के आदेश वर्षों पहले जारी हुए, लेकिन अब तक उन पर अमल नहीं हुआ। ऐसे में केवल एक गरीब विधवा के मकान पर कार्रवाई करना पक्षपातपूर्ण है।

भाजपा नेता ने दिया इस्तीफा

मामले से नाराज होकर गौतम पैकरा ने भाजपा मंडल महामंत्री पद, सक्रिय सदस्यता और प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपने त्याग पत्र में लिखा कि वर्ष 1992 से उनका परिवार पार्टी के लिए निष्ठा से कार्य करता रहा, लेकिन इस मामले में न तो प्रशासन से न्याय मिला और न ही राजनीतिक सहयोग। उन्होंने इस्तीफे की प्रतिलिपि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष, संगठन महामंत्री और सरगुजा जिलाध्यक्ष को भी भेजी है।

चोरी की बाइक लेकर गैरेज पहुंचा युवक मालिक ने पहचान कर पकड़वाया

नंबर प्लेट बदलकर चला रहा था वाहन,पुलिस ने किया गिरफ्तार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,10 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।
चोरी की बाइक लेकर गैरेज पहुंचे एक युवक को वाहन मालिक ने पहचान कर पकड़वा दिया। सूचना मिलते ही गांधीनगर पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। जानकारी के अनुसार हरीपुर थाना जयनगर निवासी दिनदयाल मानिकपुरी, जो पेशे से राजमिस्त्री है, ने 3 अप्रैल की रात अपनी बाइक (सीजी 15 सीके 3361) नमनाकला स्थित वसुंधरा सन सिटी के निर्माणाधीन मकान के लेबर क्वार्टर के बाहर खड़ी की थी। रात में अज्ञात चोर बाइक लेकर फरार हो गया। मामले की रिपोर्ट गांधीनगर थाने में दर्ज कराई गई थी।

गैरेज में हुआ खुलासा

घटना के कुछ दिन बाद नमनाकला निवासी प्रिंस टोप्पो चोरी की वही बाइक लेकर एक गैरेज पहुंचा। संयोग से वहां बाइक का मालिक भी मौजूद था। उसने देखते ही अपनी बाइक पहचान ली और आरोपी को पकड़ लिया।

नंबर प्लेट बदलकर कर रहा था इस्तेमाल

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में ले लिया। जांच में सामने आया कि आरोपी ने बाइक की नंबर प्लेट बदल दी थी, ताकि पहचान छुपाई जा सके।

आरोपी भेजा गया जेल : गांधीनगर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

पहचान के युवक ने साथी संग लूटी स्कूटी व मोबाइल,एक गिरफ्तार

शिवधारी तालाब के पास वारदात,धमकी के कारण 3 दिन बाद दर्ज हुई रिपोर्ट

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,10 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।
शहर के शिवधारी तालाब के पास 5 अप्रैल की दोपहर एक युवक से उसके परिचित ने अपने साथी के साथ मिलकर स्कूटी और मोबाइल लूट लिया। मामले में गांधीनगर पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि उसका साथी अब भी फरार है। जानकारी के अनुसार गोधनपुर निवासी अशोक टोप्पो 5 अप्रैल को गुदरी बाजार से सब्जी लेकर अपनी स्कूटी (सीजी 15 सीवी 7728) से घर लौट रहा था। शिवधारी तालाब के पास उसे पहचान के युवक आदर्श टोप्पो और उसके साथी ने आवाज देकर रोका। दोनों ने ब्रम्ह रोड जाने के लिए स्कूटी मांगी, लेकिन अशोक ने स्कूटी मालिक की होने की बात कहकर देने से मना कर दिया। इस पर नाराज होकर दोनों ने उसके साथ मारपीट की और स्कूटी व मोबाइल लूटकर फरार हो गए।

धमकी के कारण देर से रिपोर्ट : घटना के दौरान आरोपियों ने रिपोर्ट दर्ज कराने पर जान से मारने की धमकी दी थी। डर के कारण पीड़ित ने तुरंत

शिकायत नहीं की। बाद में 8 अप्रैल को गांधीनगर थाने में मामला दर्ज कराया गया।

एक आरोपी गिरफ्तार, दूसरा फरार : पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी आदर्श टोप्पो (20 वर्ष), निवासी फुन्दुडिहारी बीचपारा, को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं उसका साथी घटना के बाद से फरार है।

लूटा गया सामान अब तक बरामद नहीं : पुलिस के अनुसार लूटी गई स्कूटी और मोबाइल आरोपी के पास ही होने की संभावना है, जिसकी तलाश जारी है। फरार आरोपी की भी पुलिस सरगर्मी से खोजबीन कर रही है।

सद्भावना चौक हत्याकांड का खुलासा..8 दिन बाद आरोपी गिरफ्तार

निर्मम वारदात से दहला शहर,चिरमिरी में पुलिस ने दबोचा आरोपी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,10 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।
शहर के सद्भावना चौक स्थित रिंग रोड पर 3 अप्रैल को महिला की हुई निर्मम हत्या के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। घटना के 8 वें दिन आरोपी को एमसीबी जिले के चिरमिरी क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया गया। सरगुजा पुलिस आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। पुलिस के अनुसार 2 अप्रैल की रात मृतका एक व्यक्ति के साथ घूमते हुए सीसीटीवी कैमरे में दिखाई दी थी। इसके बाद दोनों पास की एक झोपड़ीनुमा मछली दुकान में गए,जहां खाना खाने के दौरान विवाद हुआ। इसी दौरान आरोपी ने महिला के साथ दुष्कर्म कर उसकी हत्या कर दी। जांच में सामने आया कि आरोपी ने हत्या के बाद शव के साथ अमानवीय कृत्य भी किया और पत्थर से चेहरा कुचल दिया। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान पांडा उर्फ मिथुन के रूप में की गई।

महिला की पहचान और पृष्ठभूमि : मृतका की पहचान लखनपुर थाना क्षेत्र की 42 वर्षीय महिला के रूप में हुई है। वह शहर के गंगापुर इलाके में अपने बेटे के साथ किराए के मकान में रहती थी। बताया जा रहा है कि वह कबाड़ बीनकर जीवनयापन करती थी और अक्सर घर से लंबे समय तक बाहर रहती थी।

घटना से फैला आक्रोश : घटना के बाद शहर में भारी आक्रोश देखने को मिला। विभिन्न संगठनों और राजनीतिक दलों ने आरोपी की जल्द गिरफ्तारी की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। इस हत्याकांड की तुलना दिल्ली के निर्भया कांड से भी की जा रही थी।

35 हजार रुपए का था इनाम

आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही थी। आईजी द्वारा 30 हजार और डीआईजी द्वारा 5 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था। चार टीमें लगातार आरोपी की तलाश में जुटी थीं।

चिरमिरी में दबोचा गया आरोपी

पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी चिरमिरी क्षेत्र में घूम रहा है। हुलिए के आधार पर पुलिस ने उसे पकड़ लिया। इसके बाद सरगुजा पुलिस टीम उसे अंबिकापुर लाई, जहां उससे पूछताछ जारी है।

लापरवाही बरतने पर राजस्व निरीक्षक और पटवारी निलंबित

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,10 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

कलेक्टर अजीत वसंत द्वारा पदीय दायित्वों के निर्वहन में घोर लापरवाही बरतने के मामले में एक राजस्व निरीक्षक और एक पटवारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। जारी आदेशानुसार, ग्राम उरंगा-बरिमा (तहसील मैनपाट) में छत्तीसगढ़ मिनरल डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड द्वारा अधिग्रहित भूमि की फसल क्षति मुआवजा निर्धारण का दायित्व श्रीमती संगीता भगत, राजस्व निरीक्षक और श्री चन्द्रदेव मिर्रे, पटवारी को सौंपा गया था। जांच में पाया गया कि उक्त कर्मचारियों द्वारा मूल (सेटलमेंट) रकबा से अधिक रकबा दर्ज किया गया। साथ ही मुआवजा अवधि के दौरान भूमि का क्रय-विक्रय कर ऑनलाइन अभिलेख दुरुस्त किए गए और पुनः मूल भूमि स्वामी के नाम से त्रुटिपूर्ण गणना पत्रक तैयार कर प्रस्तुत किया गया। इस गंभीर लापरवाही पर कलेक्टर कार्यालय द्वारा दिनांक 18.03.2026 को कारण बताओ नोटिस जारी कर सात दिवस के भीतर जवाब मांगा गया था। दोनों कर्मचारियों द्वारा प्रस्तुत जवाब समाधानकारक नहीं पाए गए। उनके इस कृत्य को छ.ग. सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के नियम 3 के विपरीत मानते हुए कड़ी कार्यवाही की गई है। कलेक्टर द्वारा जारी आदेश के तहत, श्रीमती संगीता भगत (राजस्व निरीक्षक) और श्री चन्द्रदेव मिर्रे (पटवारी) को छ.ग. सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम 9(1)(क) के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में श्रीमती संगीता भगत का मुख्यालय 'कार्यालय भू-अभिलेख, जिला-सरगुजा' तथा श्री चन्द्रदेव मिर्रे का मुख्यालय 'कार्यालय तहसीलदार उदयपुर' नियत किया गया है। दोनों निलंबित कर्मचारियों को निलंबन अवधि के दौरान नियमानुसार 'जीवन निर्वाह भत्ता' देय होगा। कलेक्टर द्वारा इस आदेश की प्रतिलिपि आयुक्त भू-अभिलेख, आयुक्त सरगुजा संभाग सहित संबंधित अनुविभागीय अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित कर दी गई है।

रेजांगला के वीर अहीर शहीदों के सम्मान में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जाएगा

-संवाददाता-
राजपुर,10 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

वर्ष 1962 के भारत-चीन युद्ध में रेजांगला पोस्ट की रक्षा करते हुए अदम्य साहस और वीरता का परिचय देने वाले कुमाऊं रेजीमेंट के 114 वीर अहीर सैनिकों की शहादत को नमन करने हेतु अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा द्वारा सम्मान एवं श्रद्धांजलि सभा कार्यक्रम का आयोजन बारह अप्रैल को वाड्रफनगर वन विभाग के विश्राम गृह में किया जा रहा है। इस ऐतिहासिक युद्ध में वीर अहीर सैनिकों ने अद्वितीय पराक्रम दिखाते हुए लगभग 1300 चीनी सैनिकों को मार गिराया था और अंत तक मातृभूमि की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए वहीं अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं रेजांगला कलश यात्रा के प्रदेश सह संयोजक राजेश कुमार यादव ने समाज के नागरिकों से कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की हैं वहीं कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभा के पदाधिकारियों ने वाड्रफनगर लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह में बैठक आहूत करते हुए कार्यक्रम से जुड़े विषय में चर्चा किया।

80 महिलाओं का दल 'दिशा-दर्शन' भ्रमण कार्यक्रम के लिए गुमला रवाना

नगर निगम सभापति ने बस को दिखाई हरी झंडी आजीविका के आधुनिक गुर सीखेंगी समूह दीदियां

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,10 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।
महिला एवं बाल विकास विभाग के द्वारा मिशन सशक्तिकरण केंद्र के समन्वय से दिशा दर्शन भ्रमण कार्यक्रम अंतर्गत आज जिले की स्व-सहायता समूहों की 80 महिलाओं और विभागीय अधिकारी-कर्मचारियों का दल झारखंड राज्य के गुमला जिले के विकास भारतीय संस्थान विशुनपुर के लिए रवाना हुआ है। कलेक्ट्रेट परिसर से नगर निगम सभापति श्री हरिमन्दर सिंह टिन्नी ने भ्रमण बस को हरी झंडी दिखाकर गंतव्य के लिए रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस तरह के एक्सपोजर विजिट से महिलाओं के आत्मविश्वास में वृद्धि होती है साथ ही अपने आजिविका गतिविधियों को बढ़ा सकती हैं। उन्होंने कहा कि अन्य क्षेत्रों में हो रहे सफल कार्यों को देखकर दीदियां अपने गांव और ब्लॉक में भी नए नवाचार कर सकेंगी, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी।

उद्यमिता और कौशल विकास पर रहेगा फोकस : जिला कार्यक्रम अधिकारी (महिला एवं बाल विकास विभाग) श्री जे.आर. प्रधान ने बताया कि इस भ्रमण का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को पारंपरिक कार्यों से आगे बढ़ाकर व्यावसायिक गतिविधियों से जोड़ना है। गुमला प्रवास के दौरान समूह की दीदियां विभिन्न केंद्रों का अवलोकन कर निम्नलिखित उत्पादों के निर्माण की बारीकियां सीखेंगी , खाद्य प्रसंस्करण में अचार, पापड़, मसाला और दाल बड़ी का उच्च गुणवत्तापूर्ण निर्माण साथ ही नवाचार में मुखवास (माउथ फ्रेशनर), मोदक और विभिन्न प्रकार के लड्डू बनाने की तकनीकी।

स्कूल जाने निकलीं 3 नाबालिग छात्राएं लापता

बंद था स्कूल, शाम तक घर नहीं लौटीं तो परिजनों में बढ़ी चिंता

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,10 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।
कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम परसा से 3 नाबालिग छात्राएं 6 अप्रैल से लापता हैं। तीनों कक्षा 12वीं की छात्राएं हैं और स्कूल जाने की बात कहकर घर से निकली थीं, लेकिन वापस नहीं लौटीं। जानकारी के अनुसार तीनों छात्राएं 6 अप्रैल को अपने-अपने घर से यह कहकर निकली थीं कि उन्हें स्कूल में शिक्षकों ने बुलाया है। वे स्कूल ड्रेस पहनकर और बैग लेकर घर से निकलीं, लेकिन शाम तक वापस नहीं आईं। जब देर शाम तक छात्राएं घर नहीं लौटीं तो परिजनों ने स्कूल में संपर्क किया। वहां से जानकारी मिली कि उस दिन स्कूल बंद था। यह सुनते ही परिजनों की चिंता और बढ़ गई।

परिजनों ने की तलाश, नहीं मिला सुराग

परिजनों ने अपने स्तर पर काफी खोजबीन की, लेकिन तीनों का कोई पता नहीं चला। इसके बाद गुरुवार को कोतवाली थाने पहुंचकर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई।

पुलिस जांच में जुटी

पुलिस ने मामला दर्ज कर छात्राओं की तलाश शुरू कर दी है। आसपास के क्षेत्रों में खोजबीन के साथ ही अन्य पहलुओं पर भी जांच की जा रही है।

गांव चलो अभियान में शामिल हुए सांसद चिंतामणि महाराज

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,10 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।
आज ग्राम पोड़ीकला नवानगर , जिला सरगुजा में आयोजित गांव चलो अभियान में सांसद चिंतामणि महाराज शामिल होकर ग्रामवासियों से आत्मीय भेंट की। बड़ी संख्या में उपस्थित ग्रामीणों के साथ संवाद किया तथा बुजुर्ग जनों का गमछा पहनाकर सम्मान किया। इस दौरान सांसद चिंतामणि महाराज क्षेत्रवासियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनके त्वरित समाधान का आश्वासन दिया। गाँव-मोहल्लों में भ्रमण कर सरकार द्वारा संचालित योजनाओं एवं उपलब्ध सुविधाओं का निरीक्षण किया तथा ग्रामीणों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी। सांसद चिंतामणि महाराज के द्वारा गांव चलो अभियान के माध्यम से सरकार और जनता के बीच संवाद को और मजबूत करने का कार्य किया जा रहा है।

लखनपुर परियोजना अंतर्गत आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पद हेतु 23 अप्रैल तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,10 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।
एकीकृत बाल विकास परियोजना लखनपुर अंतर्गत पर्यवेक्षक सेक्टर खुटिया के आंगनबाड़ी केन्द्र खुटिया क्रमांक 03 में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के एक रिक्त पद पर भर्ती हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इच्छुक एवं पात्र आवेदिकाओं से 09 अप्रैल 2026 से 23 अप्रैल 2026 तक ऑनलाइन माध्यम से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन https://aww.e-bharti.in/ पोर्टल के माध्यम से किया जा सकता है।

99 हितग्राहियों को लॉटरी से हुआ मकानों का आवंटन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,10 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।
नगर पालिक निगम अंबिकापुर में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत सुभाषनगर स्थित प्रधानमंत्री आवास योजना के घटक 'मोर मकान - मोर आस'परियोजना में 99 हितग्राहियों को लॉटरी पद्धति के माध्यम से मकानों का आबंटन किया गया। आयुक्त श्री डी.एन. कश्यप के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में यह आवंटन प्रक्रिया माता राजमोहिनी भवन पर पारदर्शी ढंग से संपन्न कराई गई। प्राप्त जानकारी अनुसार प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी अंतर्गत कुल 493 आवास की स्वीकृति शासन से मिली थी। जिसमें प्रथम प्राथमिकता में शासकीय भूमि पर काबिज 67 हितग्राहियों को 7 जनवरी 2026 को आबंटन किया गया था, जबकि 426 आवास शेष रह गए थे। इस हेतु नगर निगम द्वारा आवेदन मंगाए गए, जिसमें कुल 1280 आवेदन प्राप्त हुए। शासन के दिशा-निर्देश एवं दावा आपत्ति निराकरण उपरांत कुल 295 हितग्राही पात्र पाए गए। पात्र हितग्राहियों में से प्रथम चरण में 145 एवं द्वितीय चरण में आज कुल 99 हितग्राही जिन्होंने न्यूनतम टोकन राशि 25 हजार जमा किया था उनका आबंटन कर दिया गया है। कार्यक्रम में सभापति श्री हरमिंदर सिंह टिन्नी, डिप्टी कलेक्टर श्री रामराज सिंह, स्थानीय जनप्रतिनिधि, नोडल अधिकारी, सहायक अभियंता, उप अभियंता, राजस्व प्रभारी, कार्यालय अधीक्षक, निगम के कर्मचारी, अधिकारी सहित हितग्राही उपस्थित रहें।

बेटी की शादी के बीच भी कर्तव्य पथ पर डटे स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल....

निजी खुशी पर भारी जनसेवा,शादी के बीच भी सक्रिय दिखे मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल

- शादी की तैयारियों के बीच भी जनता के बीच सक्रिय मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल
- इकलौती बेटी की शादी, फिर भी नहीं थमी जनसेवा परिवार और जिम्मेदारी का संतुलन, स्वास्थ्य मंत्री की कार्यशैली बनी मिसाल
- व्यस्ततम समय में भी जनता के बीच-मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल की सक्रियता चर्चा में
- दिल्ली से रायपुर तक दौड़, फिर भी जनसेवा जारी-स्वास्थ्य मंत्री का अलग अंदाज
- बेटी की शादी की खुशियों के बीच भी जनता का दर्द सुन रहे मंत्री
- संवेदनशीलता की मिसाल-शादी के बीच भी मरीजों और जनता के बीच मंत्री जायसवाल

-संवाददाता-
रायपुर/एमसीबी,10 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल इन दिनों एक ऐसे दौर से गुजर रहे हैं, जहां एक ओर उनके परिवार में खुशी का माहौल है तो दूसरी ओर उनके कंधों पर प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था की बड़ी जिम्मेदारी भी है, उनकी इकलौती बेटी की शादी की तैयारियां पूरे जोर-शोर से चल रही हैं, लेकिन इस व्यस्ततम पारिवारिक समय के बीच भी वे अपने मंत्री पद के दायित्वों से जरा भी पीछे नहीं हटे हैं, यह संतुलन न केवल उनकी कार्यशैली को दर्शाता है, बल्कि यह भी बताता है कि वे जनसेवा को कितनी गंभीरता से लेते हैं।

बता दे की एक ओर बेटी की शादी जैसी महत्वपूर्ण पारिवारिक जिम्मेदारी और दूसरी ओर प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था की बड़ी जिम्मेदारी

इन दोनों के बीच संतुलन बनाते हुए श्यामबिहारी जायसवाल ने यह साबित किया है कि सच्चा जनप्रतिनिधि वही होता है जो हर परिस्थिति में जनता के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को निभाता रहे,उनकी यह कार्यशैली न केवल प्रेरणादायक है,बल्कि यह भी दर्शाती है कि जनसेवा के प्रति समर्पण ही नेतृत्व की असली पहचान है।

परिवार और जिम्मेदारी के बीच संतुलन

भारतीय समाज में बेटी की शादी एक बड़ा और महत्वपूर्ण आयोजन माना जाता है, खासकर जब बात इकलौती बेटी की हो, तो परिवार की प्राथमिकता स्वाभाविक रूप से उसी ओर केंद्रित हो जाती है। लेकिन श्यामबिहारी जायसवाल ने इस व्यक्तिगत जिम्मेदारी के साथ-साथ अपने सार्वजनिक दायित्वों को भी उतनी ही गंभीरता से निभाने का उदाहरण पेश किया है, वे लगातार शादी की तैयारियों में भी सक्रिय हैं और साथ ही विभागीय कार्यों में भी पूरी तरह संलग्न हैं। यह संतुलन उनकी कार्यकुशलता और प्रतिबद्धता को स्पष्ट रूप से दर्शाता है।

दिल्ली से रायपुर तक सक्रिय उपस्थिति

मंत्री जायसवाल इन दिनों दिल्ली से लेकर रायपुर तक लगातार दौरे कर रहे हैं, वे व्यक्तिगत रूप से अपने परिचितों, जनप्रतिनिधियों और विशिष्ट व्यक्तियों को विवाह समारोह का निमंत्रण देने पहुंच रहे हैं, विशेष बात यह है कि निमंत्रण वितरण जैसे निजी कार्य के दौरान भी वे अपने विभागीय दायित्वों को नजरअंदाज नहीं कर रहे हैं, जहां भी वे पहुंचते हैं, वहां समय निकालकर बैठकों में भाग लेना,अधिकारियों से चर्चा करना और योजनाओं की समीक्षा करना उनकी दिनचर्या का हिस्सा बना हुआ है।

विभागीय बैठकों में निरंतर सहभागिता

स्वास्थ्य विभाग जैसे संवेदनशील और महत्वपूर्ण विभाग की जिम्मेदारी संभाल रहे मंत्री जायसवाल नियमित रूप से विभागीय बैठकों में भाग ले रहे हैं, वे स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति, अस्पतालों की व्यवस्थाओं, दवाओं की उपलब्धता और योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा कर रहे हैं,इसके साथ ही अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दे रहे हैं,ताकि प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था में कोई कमी न रहे,उनकी यह सक्रियता इस बात का संकेत है कि वे अपने विभाग के प्रति पूरी तरह सजग और उत्तरदायी हैं।

जनता के बीच सक्रिय संवाद

मंत्री जायसवाल अपने निवास कार्यालय में नियमित रूप से आम जनता से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुन रहे हैं, लोग अपनी शिकायतें और समस्याएं लेकर उनके पास पहुंचते हैं, और वे धैर्यपूर्वक उनकी बात सुनकर संबंधित अधिकारियों को समाधान के निर्देश देते हैं, यह संवाद केवल औपचारिक नहीं, बल्कि संवेदनशीलता से भरा हुआ है, जिससे आम जनता को यह महसूस होता है कि उनकी बातों को गंभीरता से लिया जा रहा है।

अस्पतालों का निरीक्षण और मरीजों से मुलाकात

स्वास्थ्य मंत्री होने के नाते उनका सबसे महत्वपूर्ण दायित्व अस्पतालों की व्यवस्थाओं पर नजर रखना है, वे लगातार अस्पतालों का दौरा कर रहे हैं, जहां मरीजों से सीधे बातचीत कर उनका हाल-चाल जान रहे हैं,मरीजों से मिलकर उनकी समस्याओं को समझना और मौके पर ही समाधान के निर्देश देना उनकी कार्यशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा है, इसके साथ ही वे अस्पतालों में उपलब्ध सुविधाओं,साफ-सफाई,स्टाफ की कार्यप्रणाली और दवाओं की उपलब्धता का भी निरीक्षण कर रहे हैं।

संवेदनशीलता और जनसेवा का समन्वय

मंत्री जायसवाल की कार्यशैली में सबसे खास बात उनकी संवेदनशीलता है, वे केवल औपचारिकता निभाने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वास्तव में लोगों की समस्याओं को समझने और उन्हें दूर करने के लिए प्रयासरत दिखाई देते हैं, बेटी की शादी जैसे महत्वपूर्ण पारिवारिक आयोजन के बीच भी उनका यह सक्रिय और संवेदनशील व्यवहार यह दर्शाता है कि वे जनसेवा को प्राथमिकता देते हैं।

निमंत्रण वितरण में भी सादगी और आत्मीयता

आम तौर पर बड़े नेताओं द्वारा निमंत्रण वितरण का कार्य प्रतिनिधियों के माध्यम से किया जाता है, लेकिन मंत्री जायसवाल स्वयं लोगों के पास जाकर निमंत्रण पत्र दे रहे हैं, यह उनकी सादगी और आत्मीयता को दर्शाता है, वे व्यक्तिगत रूप से लोगों से मिलकर उन्हें आमंत्रित कर रहे हैं, जिससे उनके संबंध और भी मजबूत हो रहे हैं।

कार्यशैली बन रही चर्चा का विषय

इन दिनों मंत्री जायसवाल की यह कार्यशैली राजनीतिक और सामाजिक गलियारों में चर्चा का विषय बनी हुई है, लोग उनकी इस सक्रियता और जिम्मेदारी निभाने के तरीके की सराहना कर रहे हैं, यह एक ऐसा उदाहरण बनता जा रहा है, जो बताता है कि यदि इच्छा शक्ति हो, तो व्यक्ति व्यक्तिगत और सार्वजनिक दोनों जिम्मेदारियों को सफलतापूर्वक निभा सकता है।

जूता चोरी से शुरू हुई चर्चा...क्या भाजपा जिलाध्यक्ष को मिलेगा बड़ा राजनीतिक मौका?

आंख दिखाने पहुंचे थे,जूता हुआ गायब,घटना को बताया शुभ,बढ़ी सियासी अटकलें

- अस्पताल से जूता चोरी पर बधाइयों की बौछार,शुभ-अशुभ की बहस तेज
- साधारण चोरी बनी खास,भाजपा जिलाध्यक्ष ने बताया भविष्य का संकेत
- जूता चोरी पर राजनीति गर्म,समर्थकों ने कहायह शुभ संकेत है
- चोरी या संकेत ? भाजपा जिलाध्यक्ष की घटना ने छेड़ी नई बहस
- अनोखी घटना : जूता चोरी को बताया शुभ,सोशल मीडिया पर चर्चा तेज
- अस्पताल में जूता चोरी से उठे सवाल संयोग या आने वाले बदलाव का संकेत?

-रवि सिंह-
बैकुंठपुर,10 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

राजनीति और आस्था के बीच एक दिलचस्प मामला सामने आया है, जहां एक सामान्य सी चोरी की घटना अब चर्चा का विषय बन गई है, भाजपा कोरिया के जिलाध्यक्ष के साथ राजधानी के एक नेत्र (आंख) अस्पताल में हुई जूता चोरी की घटना ने न सिर्फ हलचल मचा दी है, बल्कि इसे लेकर शुभ-अशुभ की चर्चाएं भी तेज हो गई हैं। भाजपा जिलाध्यक्ष के साथ हुई जूता चोरी की यह घटना भले ही छोटी लगे, लेकिन जिस तरह से इसे सोशल मीडिया और आस्था से जोड़कर देखा जा रहा है, उसने इसे चर्चा का विषय बना दिया है, अब यह देखना दिलचस्प होगा कि यह घटना सिर्फ एक सामान्य चोरी बनकर रह जाती है या वास्तव में भविष्य में किसी बड़े बदलाव के साथ जोड़ी जाती है।

अस्पताल पहुंचे थे जांच कराने, जूता हो गया गायब- जानकारी के अनुसार भाजपा जिलाध्यक्ष आंखों की जांच कराने राजधानी स्थित एक अस्पताल पहुंचे थे,जांच के दौरान उन्होंने अस्पताल परिसर में अपने जूते उतारे,लेकिन जब वापस लौटे तो जूता वहां से गायब मिला,यह घटना सामान्य चोरी की तरह लग सकती थी, लेकिन इसके बाद जो हुआ उसने इसे चर्चा का विषय बना दिया।

सोशल मीडिया पर खुद साझा की घटना- जिलाध्यक्ष ने इस घटना को खुद सोशल मीडिया पर साझा किया,उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में लिखा आंख दिखाने आए थे, कोई जूता दिखा गया, इसके साथ ही उन्होंने इस घटना को शुभ और अशुभ से जोड़ते हुए भी अपनी बात रखी।

बड़े भाई ने बताया 'शुभ संकेत'- जिलाध्यक्ष ने अपने पोस्ट में यह भी उल्लेख किया कि जब उन्होंने इस घटना की जानकारी अपने बड़े भाई को दी, तो उन्होंने इसे शुभ संकेत बताया और आगे बढ़ने की सलाह दी, यही बात अब पूरे मामले को एक अलग दिशा दे रही है, जहां एक सामान्य चोरी की घटना को भविष्य के संकेत से जोड़ा जा रहा है।

क्या राजनीति में मिलेगा उछाल?- सोशल मीडिया पर इस पोस्ट के वायरल होने के बाद तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं, लोगों के बीच यह चर्चा तेज है कि क्या यह घटना किसी बड़ी राजनीतिक उपलब्धि का संकेत है? क्या जिलाध्यक्ष को भविष्य में कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है? या फिर यह सिर्फ एक संयोग है जिसे ज्यादा महत्व दिया जा रहा है?

समर्थकों की अलग-अलग प्रतिक्रियाएं- इस घटना पर समर्थकों ने भी दिलचस्प प्रतिक्रियाएं दी हैं, कई लोगों ने इसे शुभ संकेत मानते हुए बधाई दी, कुछ ने इसे मजाकिया अंदाज में लिया,वहीं कुछ लोगों ने व्यावहारिक सलाह दी कि सार्वजनिक स्थानों पर जूते सुरक्षित रखने चाहिए, पहली बार किसी चोरी की घटना पर बधाई और उत्साह का माहौल देखने को मिला है,जो इसे और भी अलग बनाता है।

आम और खास के नजरिए में फर्क

यह घटना एक सामाजिक पहलू को भी उजागर करती है, जहां एक आम व्यक्ति के लिए जूता चोरी होना परेशानी, आर्थिक नुकसान और आक्रोश का कारण बनता है, वहीं एक खास व्यक्ति के लिए यही घटना शुभ-अशुभ और संभावनाओं से जोड़कर देखी जा रही है,यह अंतर समाज में सोच और स्थिति के आधार पर नजरिए के बदलाव को दर्शाता है।

अस्पताल की जानकारी नहीं आई सामने

जिलाध्यक्ष ने अपने पोस्ट में यह स्पष्ट नहीं किया कि यह घटना राजधानी के किस अस्पताल में हुई,ऐसे में यह सवाल भी उठ रहा है कि यदि अस्पताल का नाम सामने आता,तो आम लोगों को सतर्क रहने में मदद मिलती, विशेषज्ञों का मानना है कि सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था और व्यक्तिगत सावधानी दोनों जरूरी हैं।

ज्योतिषीय नजरिए से क्या कहती है मान्यता

कुछ ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार शनिवार के दिन मंदिर या धार्मिक स्थल से जूता चोरी होना शनि दोष से मुक्ति का संकेत माना जाता है, लेकिन इस मामले में घटना शुक्रवार को हुई, स्थान अस्पताल था, न कि धार्मिक स्थल ऐसे में यह घटना पारंपरिक ज्योतिषीय मान्यताओं से मेल नहीं खाती, इसलिए इसे शुभ या अशुभ मानने को लेकर स्पष्ट राय बनाना कठिन है।

Devendra Tiwari
8h

**"आज आँखों के अस्पताल गया था... पर वहाँ तो आँख नहीं,
अपने जूते ही दिखवाने पड़ गए! 🤣
एक भाईसाहब जी आए तो चप्पल में थे, लेकिन लौटे मेरे जूतों में!
सीसीटीवी दिखवाया, अस्पताल से नंबर मिल गया—
अब अस्पताल वाले हैरान, मैं परेशान,
फोन मिल रहा है... पर जूते नहीं! 😭
उधर बिलासपुर से मेरे भैया ने कहा —
"जूता गायब होना शुभ होता है।"
तो अब दिमाग में दुविधा—
शांति से इंतज़ार करूँ...
या फिर इस शुभ संकेत को मानकर नंगे पैर ही नई कहानी शुरू कर दूँ? 😂🤔
#eyehospital #raipur

ज्योतिषीय डिस्क्लेमर

यहां यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि शुभ-अशुभ से जुड़ी सभी बातें व्यक्तिगत आस्था और मान्यताओं पर आधारित होती हैं, ज्योतिष शास्त्र कोई वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित पद्धति नहीं है, और किसी भी घटना को भविष्य के संकेत के रूप में लेना पूरी तरह व्यक्तिगत विश्वास पर निर्भर करता है, किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले तार्किक और व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाना जरूरी है।

तहसील की चौखट पर दम तोड़ती उम्मीदें...

80 साल पुराने दस्तावेज़ भी नहीं दिला पा रहे गांव की बेटी को उसकी पहचान

- आजादी के पहले के रिकॉर्ड भी पड़े फीके,
- कागजों की लड़ाई में उलझ गया बेटी का भविष्य
- साहब ! 1946 का रिकॉर्ड और कितनी बार दूं?
- सोनहत में सिस्टम की संवेदनहीनता के आगे बेबस हुई छात्रा
- कैसा सुशासन ? जब अपनी ही पहचान को तरस रही गांव की बेटी

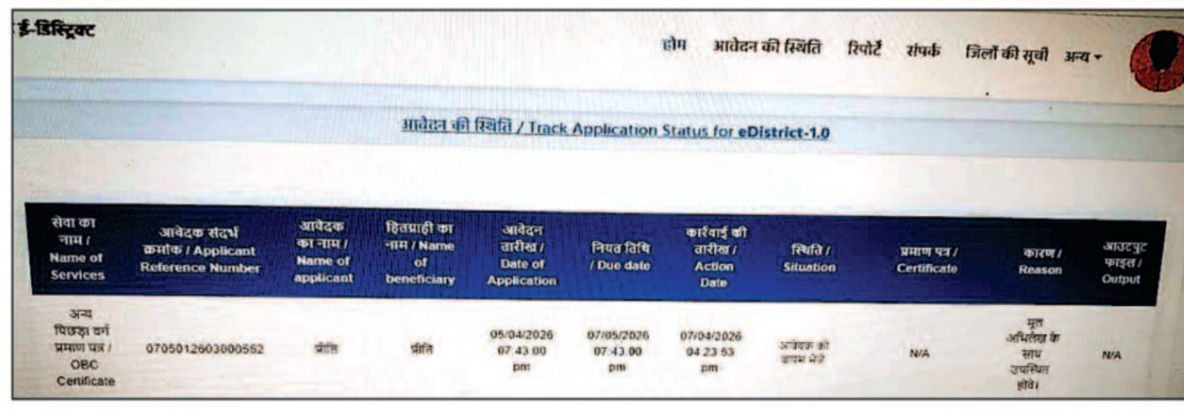

सेवा का नाम / Name of Services	आवेदक संदर्भ क्रमांक / Applicant Reference Number	आवेदक का नाम / Name of applicant	हितग्राही का नाम / Name of beneficiary	आवेदन तारीख / Date of Application	नियत तिथि / Due date	कार्रवाई की तारीख / Action Date	स्थिति / Situation	प्रमाण पत्र / Certificate	कारण / Reason	आउटपुट फाइल / Output
अन्य पिछड़ा वर्ग प्रमाण पत्र / OBC Certificate	0705012603000552	प्रीति	प्रीति	05/04/2026 07 43 00 pm	07/05/2026 07 43 00 pm	07/04/2026 04 23 53 pm	[illegible]	N/A	मूल अभिलेख के साथ उपस्थित होवें।	N/A

-राजन पाण्डेय-

सोनहत (कोरिया),10 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)। सरकार एक तरफ डिजिटल इंडिया और सरलीकरण का दावा करती है, वहीं दूसरी ओर कोरिया जिले की सोनहत तहसील में जाति प्रमाण-पत्र बनवाना टेढ़ी खीर साबित हो रहा है, आलम यह है कि सात दशकों से अधिक पुराने पुख्ता दस्तावेज (मिसल बंदोबस्त 1946-47) पेश करने के बावजूद प्रशासनिक दफ्तरों से आवेदनों को बिना किसी ठोस कारण के निरस्त किया जा रहा है, अधिकारियों की इस कार्यप्रणाली से न केवल युवाओं का भविष्य अधर में लटका है, बल्कि शासन की कल्याणकारी योजनाओं पर भी सवालिया निशान लग रहे हैं।

जब 1985 की जगह 1946 के रिकॉर्ड भी नाकाफी हों- गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ शासन के नियमानुसार, अन्य पिछड़ा वर्ग के स्थाई जाति प्रमाण पत्र हेतु आवेदक के पास प्रदेश में सन 1985 या उससे पूर्व का निवास एवं भूमि संबंधी रिकॉर्ड होना अनिवार्य है। शासन ने यह सीमा इसलिए तय की है ताकि पात्र लोगों को आसानी से प्रमाण-पत्र मिल सके। परंतु सोनहत तहसील में नियम और तर्क दोनों ही दम तोड़ते नजर आ रहे हैं,यहाँ प्रीति राजवाड़े जैसे आवेदकों के पास आजादी के भी पूर्व यानी सन 1946-47 के पुख्ता दस्तावेजी साक्ष्य मौजूद हैं, जो शासन की निर्धारित समय सीमा (1985) से भी लगभग 40 साल पुराने हैं। इसके बावजूद आवेदनों का बार-बार निरस्त होना न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि यह तहसील प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर संदेह पैदा करता है। जब 80 साल पुराने रिकॉर्ड को भी आधार नहीं माना जा रहा,तो आम जनता से न्याय की उम्मीद करना बेमानी साबित हो रहा है।

भविष्य का संकट

जाति प्रमाण-पत्र के अभाव में छात्र न तो उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश ले पा रहे हैं और न ही सरकारी नौकरियों के लिए आवेदन कर पा रहे हैं,सोनहत तहसील में व्याप्त इस अव्यवस्था ने गुड गवर्नेंस के दावों की पोल खोल दी है। यदि समय रहते जिला प्रशासन ने इस मामले में हस्तक्षेप नहीं किया, तो आक्रोशित ग्रामीणों का धैर्य जवाब दे सकता है। प्रीति राजवाड़े जैसे सैकड़ों आवेदकों को अब केवल कलेक्टर और जिला प्रशासन से न्याय की उम्मीद है।

केस स्टडीः प्रीति राजवाड़े की 3 साल की लंबी जंग

प्रशासनिक संवेदनहीनता का सबसे ताजा और ज्वलंत उदाहरण ग्राम घुघरा की प्रीति राजवाड़े का है,प्रीति साल 2021 से अपने स्थाई जाति प्रमाण पत्र के लिए तहसील कार्यालय की चौखट घिस रही हैं,उन्होंने आवेदन के साथ सन 1946-47 का वैध रिकॉर्ड भी संलग्न किया है।

अजीबो-गरीब स्थिति

कई बार आवेदन रिजेक्ट होने के बाद जब उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों को अपने दस्तावेज दिखाए,तो उच्चाधिकारियों ने रिकॉर्ड्स को सही पाया और पुनः आवेदन करने का सुझाव दिया।

फिर वही ढाक के तीन पात

उच्चाधिकारियों के भरोसे के बाद जब प्रीति ने फिर से आवेदन लगाया, तो सोनहत तहसील कार्यालय ने एक बार फिर उसे खारिज कर दिया, सवाल यह उठता है कि जब रिकॉर्ड सही हैं,तो फिर फाइल को रिजेक्ट करने का आधार क्या है?

सालों से चक्कर,फिर भी हाथ खाली

सोनहत में यह किसी एक व्यक्ति की कहानी नहीं है, दर्जनों हितग्राही सालों से कार्यालय के चक्कर काट-काटकर मानसिक और आर्थिक रूप से प्रताड़ित हो चुके हैं,ग्रामीणों का आरोप है कि तहसील कार्यालय के कर्मचारी केवल फाइलों को इधर-उधर घुमाने में माहिर हैं,जब हमारे पास 1950 से पहले के पुख्ता प्रमाण मौजूद हैं,तो फिर प्रशासन हमें असली निवासी मानने से क्यों कतरा रहा है? क्या एक छात्रा को अपना हक पाने के लिए अपनी पढ़ाई छोड़कर सिर्फ दफ्तरों के ही चक्कर लगाने होंगे? यह बड़ा सवाल बनता जा रहा है।

प्रशासनिक व्यवस्था पर उठते सवाल

यदि वरिष्ठ अधिकारी रिकॉर्ड को सही मान रहे हैं, तो निचले स्तर पर बैठे कर्मचारी उन्हें चुनौती कैसे दे रहे हैं?

निरस्तीकरण का आधार

आवेदन रिजेक्ट करते समय स्पष्ट कारण क्यों नहीं बताया जाता?

कैसा सुशासन? जब अपनी ही पहचान को तरस रही गांव की बेटी

आज जब सरकार बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ और सुशासन का ढिंढोरा पीट रही है,तब सोनहत तहसील की यह जमीनी हकीकत दावों पर कालिख पोतने के लिए काफी है,सवाल यह उठता है कि आखिर यह कैसा सुशासन है, जहां एक पात्र हितग्राही को अपनी ही जाति और पहचान साबित करने के लिए वर्षों तक दफ्तरों की धूल फांकनी पड़ रही है? जब गांव की बेटी जाति प्रमाण-पत्र के अभाव में उच्च शिक्षा से वंचित रह जाए या शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पाने के लिए पात्र होते हुए भी दर-दर भटके,तो प्रशासनिक संवेदनशीलता मृत प्राय नजर आती है, कागजों और आंकड़ों में सिमटा सुशासन प्रीति राजवाड़े जैसी बेटियों के लिए बेमानी है, जिनका भविष्य आज फाइलों के ढेर और अधिकारियों की मनमानी के बीच दम तोड़ रहा है,क्या व्यवस्था इतनी लाचार हो चुकी है कि वह एक छात्र को उसका संवैधानिक अधिकार भी समय पर उपलब्ध नहीं करा पा रही?

ज्ञान भारतम् मिशन के तहत जिला स्तरीय समिति गठित,नागरिकों से सहयोग की अपील

कोरिया जिले में राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण कार्य प्रारंभ

-संवाददाता-

कोरिया,10 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ शासन के पर्यटन एवं संस्कृति विभाग, मंत्रालय महानदी रायपुर के निर्देशानुसार ज्ञान भारतम् मिशन के अंतर्गत कोरिया जिले में राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। इस कार्य के सफल संचालन हेतु कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति का गठन किया गया है।

समिति में डॉ आशुतोष चतुर्वेदी (मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत),श्री संजय दुबे (मुख्य नगर पालिका अधिकारी), श्री एम. सी. हिमधर (प्राचार्य,महा विद्यालय बैकुंठ पुर),श्री वी.के. राय (जिला शिक्षा अधिकारी), श्री मारुति शर्मा एवं श्री बाल्मिक प्रसाद दुबे को सदस्य बनाया गया है। वहीं सर्वेक्षण कार्य के लिए उमेश कुमार पटेल (डिप्टी कलेक्टर) को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। कलेक्टर के मार्गदर्शन में सर्वेक्षण कार्य शुरू कर दिया गया है। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि जिनके पास प्राचीन पांडुलिपियां उपलब्ध हैं, वे सर्वेक्षण दल अथवा नोडल अधिकारी को इसकी जानकारी दें। मूल दस्तावेज अपने पास रखते हुए फोटोकॉपी उपलब्ध कराकर भी पंजीयन कराया जा सकता है। इस पहल का उद्देश्य जिले की प्राचीन ज्ञान परंपरा और सांस्कृतिक धरोहर का संरक्षण एवं दस्तावेजीकरण करना है।

पॉलीटेक्निक कोरिया में 'उमंग 2026' का आयोजन

-संवाददाता-

कोरिया,10 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)। शासकीय पॉलीटेक्निक कोरिया में प्राचार्य गोनेश कुमार गजेन्द्र के निर्देशन में वार्षिकोत्सव उमंग 2026 हर्षोल्लास से मनाया गया। मुख्य अतिथि आर0जे0 पाण्डेय सहित विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत वंदे मातरम से हुई, जिसके बाद विद्यार्थियों ने गीत, नृत्य, कॉमेडी और रैम्पवॉक प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। श्अनेकता में एकताश् थीम पर आधारित रैम्पवॉक विशेष आकर्षण रहा। अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया तथा दीपक कुमार साहू ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में हेमन्त कुमार एवं श्रुतिशिखा श्रीवास्तव का विशेष योगदान रहा।

एनएसयूआई स्थापना दिवस पर भव्य छात्र सम्मेलन एवं कौशल प्रतियोगिता का आयोजन

400 छात्रों की सहभागिता,प्रतिभाओं का सम्मान,शिक्षा के साथ कौशल विकास पर दिया गया जोर...

प्रतिभागियों का सम्मान

कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को अतिथियों द्वारा प्रमाण-पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया,इस दौरान छात्रों में उत्साह एवं आत्मविश्वास देखने को मिला।

आयोजन एवं सहभागिता

कार्यक्रम का आयोजन एनएसयूआई जिलाध्यक्ष आकाश साहू के नेतृत्व में किया गया, इस दौरान युवा कांग्रेस एवं एनएसयूआई के पदाधिकारी– अविनाश यादव,शरद सिंह, अंकित जायसवाल,ऋषभ जायसवाल,मुस्तफा खान, हिमांशु सिंह, अफरोज अंसारी, बाबू दुबे सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं छात्र उपस्थित रहे।

-संवाददाता-

सूरजपुर,10 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)। सूरजपुर में भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन एनएसयूआई के स्थापना दिवस के अवसर पर जिला एनएसयूआई द्वारा ऑडिटोरियम भवन (बायपास रोड) में भव्य एवं गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्र सम्मेलन के साथ जिला स्तरीय छात्र कौशल प्रतियोगिता का समापन समारोह आयोजित किया गया, जिसमें जिले भर के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया,यह आयोजन छात्रों के लिए प्रेरणादायक रहा तथा जिले में शिक्षा और कौशल विकास को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ। कार्यक्रम में सरगुजा युवराज एवं रेड क्रॉस सोसायटी के सभापति आदित्येश्वर शरण सिंह देव तथा एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष नीरज पाण्डेय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, कार्यक्रम की शुरुआत एनएसयूआई के ध्वजारोहण से की गई तथा अतिथियों का पारंपरिक रूप से स्वागत एवं सम्मान किया गया।

छात्र सम्मेलन एवं कौशल प्रतियोगिता

कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र सम्मेलन के साथ जिला स्तरीय छात्र कौशल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों से लगभग 400 विद्यार्थियों ने भाग लिया, प्रतियोगिता में चित्रकारी, निबंध लेखन, भाषण, वाद-विवाद एवं क्विज जैसी विधाएं शामिल रहीं, जिसमें प्रतिभागियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

अतिथियों का उद्बोधन

अतिथियों ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए शिक्षा के साथ-साथ कौशल विकास, नेतृत्व क्षमता एवं सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया, उन्होंने कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धात्मक दौर में केवल शैक्षणिक ज्ञान ही नहीं, बल्कि व्यावहारिक कौशल भी सफलता के लिए आवश्यक है।

दिग्गज नेताओं की उपस्थिति

कार्यक्रम में कई वरिष्ठ नेता एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से पारसनाथ राजवाड़े, शशि सिंह, भगवती राजवाड़े, नरेश राजवाड़े, शैलेश सिंह देव, अश्विनी सिंह, रामकृष्ण ओझा, मनोज डालमिया, कुसुमलता राजवाड़े, राजकुमारी मरावी, अनुपम फिलिप, जफर हैदर, प्रदीप राजवाड़े, लवकेश गुर्जर, जितेंद्र दुबे, नरेन्द्र यादव सहित अनेक जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

न्यायालय नजूल अधिकारी
सूरजपुर,जिला-सूरजपुर,छ0ग0

रा0प्र0क्र0/....../अ-20 (1)/2025-26

ईश्तहार

आगामी तिथि 39042026

इस सार्वजनिक ईश्तहार के जरिये सर्व साधारण आम जनता / संस्था/विभाग को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है आवेदक ज्वाला प्रसाद गुप्ता आ0 स्व. बिगड प्रसाद गुप्ता, उम्र लगभग 64 वर्ष निवासी महावीर गली, भैयाथान रोड सूरजपुर, थाना व तहसील सूरजपुर, जिला - सूरजपुर छ0ग0 द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर अपने स्वामित्व व अधिपत्य की नजूल भूमि प्लाट नम्बर 1887 1888 / 1 रकबा क्रमशः 7406, 602 वर्गफीट भूमि का लीज दिनांक 31/03/2026 को समाप्त होने से आगामी 30 वर्ष के लिए लीज नवीनीकरण कराये जाने हेतु अनुरोध मा. न्यायालय अपर कलेक्टर सूरजपुर के समक्ष किया गया है। जो अग्रिम कार्यवाही हेतु एतद् न्यायालय को प्राप्त हुआ है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन लंबित है । अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था / विभाग को कोई दावा / आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक / लीगल एजेंट के माध्यम से अपना दावा / आपत्ति दिनांक 30/04/2026 को न्यायालयीन अवधि में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है । नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति के संबंध में कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनांक 7/4/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

सील

नजूल अधिकारी
,सूरजपुर

न्यायालय लिंक कोर्ट देवनगर
तहसील रामानुजनगर
जिला-सूरजपुर,छ0ग0

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0/....../ब-121/2021-22-26

रा0प्र0क0 ब-121/ 2021-22-2026

ग्राम जामगांव के आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक /आवेदिका,अनिल कुमार आ0 शिवनंदन जाति स्वयं निवासी ग्राम अमगांव लिंक कोर्ट देवनगर तहसील रामानुजनगर जिला सूरजपुर (छ0ग0) द्वारा आवेदक आपने स्वयं अनिल कुमार का विलम्ब जन्म प्रमाण पत्र पंजीयन कराने बावत अनुलब्धता प्रमाण-पत्र मय अन्य सहायक दास्तावेज के साथ न्यायलय में आवेदन पत्र पेश किया गया है । जन्म दिनांक 05/01/1991

अतः उक्त संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वंम । अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 24/04/2026 को न्यायलयीन समयवधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति पेश कर सकतें है । उसके पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति में कोई विचार नही किया जायेगा।

आज दिनांक 10/04/2026 को न्यायलीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया ।

सील

नायब तहसीलदार
लिंक कोर्ट देवनगर
रामानुजनगर,सूरजपुर

सत्ता का रसूख या बेज़ुबानों का खून ?

सोनहत पशु तस्करी कांड ने उतारे पॉलिटिकल सिंडिकेट के नकाब

भरतपुर-सोनहत की सियासी फिजाओं में तस्करी की दुर्गंध : पशु तस्करी के केश में भाजपा नेता पीपी सिंह फरार

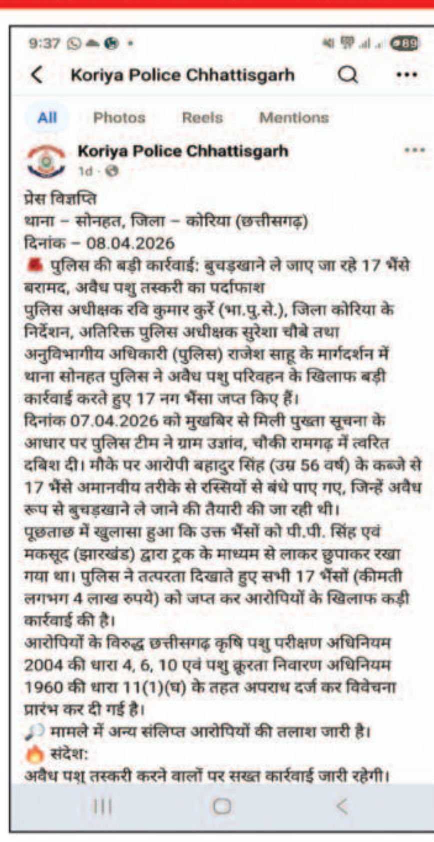

-रवि सिंह-

कोरिया,10 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)। भरतपुर-सोनहत की शांत वादियों में इस वक्त सियासी तूफान उठा हुआ है, मुद्दा है बेजुबानों की तस्करी और सत्ता का रसूख, सोनहत पुलिस की हालिया कार्रवाई ने केवल 17 भैंसों को बरामद नहीं किया है,बल्कि उस तथाकथित पॉलिटिकल सिंडिकेट की जड़ें हिला दी हैं, जिसके तार सीधे सत्ताधारी दल के गलियारों से जुड़े नजर आ रहे हैं। तस्वीरों का ट्रेलर और तस्करी की फिल्म-सोशल मीडिया पर वायरल हो रही तस्वीरों ने भाजपा के स्थानीय संगठन में खलबली मचा दी है, आरोपी भाजपा नेता पी.पी. सिंह (निवासी ग्राम उज्ञाव) की तस्वीरें क्षेत्रीय विधायक और पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री रेणुका सिंह के साथ वायरल हो रही हैं, इन तस्वीरों ने विपक्ष को हमला करने का सीधा मौका दे दिया है कि क्या अपराधियों को सत्ता का अभयदान प्राप्त है?

क्या है पूरा मामला?

सोनहत थाना पुलिस ने अवैध पशु तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक खेप पकड़ी, जो कथित तौर पर अन्य राज्य में सप्लाई की जा रही थी, इस मामले में झारखंड के एक मकसूद खान के साथ भाजपा नेता पी.पी. सिंह का नाम एफ आई आर में आया है, आरोपी फिलहाल फरार बताए जा रहे है, वही पुलिस अभी आरोपियों के खोज बीन में डटी है।

सोनहत पुलिस की सर्जिकल स्ट्राइक

कत्लखाने ले जाए जा रहे 17 मवेशी बरामद, अंतरराज्यीय पशु तस्करी का भंडाफोड़

पूर्व विधायक गुलाब कमरो के तीखे सवाल

पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने इस मुद्दे को लेकर सीधे घेराबंदी शुरू कर दी है, उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से भाजपा की नैतिकता और दोहरे चरित्र पर सवाल दागे हैं।

दाव पर लगी साख

क्षेत्र की जनता के बीच अब यह चर्चा आम है कि धर्म और संस्कार की दुहाई देने वाले नेताओं की असलियत क्या है? सवाल केवल एक एफआईआर का नहीं है, सवाल उस भरोसे का है जो जनता ने राम राज्य की उम्मीद में दिया था। क्या रसूखदार नेताओं के साथ फोटो खिंचवाकर अपराधी अपनी ढाल बना रहे हैं?

नैतिकता का पैमाना

क्या विधायक रेणुका सिंह इस दागी नेता को तत्काल प्रभाव से पार्टी से बाहर करेंगी?

संरक्षण का आरोप

पुलिस की पहुंच से अब तक आरोपी दूर क्यों है? क्या उसे ऊपर से इशारा मिला हुआ है?

कथनी और करनी का अंतर

एक तरफ भाजपा गौ-वंश और हिंदुत्व की रक्षा की बात करती है, वहीं दूसरी तरफ पार्टी के ही सिपहसालार भैंसा तस्करी के सिंडिकेट चला रहे हैं।

पूर्व विधायक का तीखा प्रहार,संस्कार की ओट में रसूख का खेल

पूर्व विधायक ने सोशल मीडिया के जरिए इस मुद्दे पर सीधा हमला बोलते हुए भाजपा की घेराबंदी तेज कर दी है। उन्होंने साफ लहजे में कहा कि जो लोग दिन-रात हिंदुत्व,धर्म और ऊंचे संस्कारों की बड़ी-बड़ी बातें करते नहीं थकते,आज वे खुद पशु तस्करी जैसे गंभीर और अनैतिक आरोपों के घेरे में हैं, ग्राम उज्ञाव निवासी भाजपा नेता पी.पी. सिंह पर एफ आई आर दर्ज होने के बाद पूर्व विधायक ने सवाल उठाया कि क्या बेजुबानों की तस्करी ही भाजपा का असली चरित्र है? उन्होंने आरोपी की विधायक के साथ वायरल तस्वीरों पर तंज कसते हुए पूछा कि सत्ता के शीर्ष पर बैठे लोगों के साथ फोटो खिंचवाकर क्या जनता को गुमराह करने या अपनी आपराधिक छवि को छिपाने का प्रयास किया जा रहा है? फरार आरोपी को अब तक पुलिस द्वारा न पकड़ पाना प्रशासन की मंशा और रसूख के दबाव पर भी कई गहरे सवाल खड़े करता है।

कांग्रेस की दोतरफा चाल,कहीं आक्रामकता,तो कहीं रहस्यमयी चुप्पी

इस पूरे घटनाक्रम में जहाँ पूर्व विधायक गुलाब कमरो और ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मनेंद्रगढ़ ने सोशल मीडिया पर मोर्चा खोलकर भाजपा को कटघरे में खड़ा किया है,वहीं दूसरी ओर कोरिया जिला कांग्रेस कमेटी और स्थानीय दिग्गज नेताओं के मौन ने सियासी हलकों में नई चर्चा छेड़ दी है। यह खामोशी अब सवालों के घेरे में है, क्या जिला और ब्लॉक स्तर की कांग्रेस कमेटियां अब केवल प्रदेश नेतृत्व से मिले रस्म-अदायगी वाले कार्यक्रमों तक सीमित रह गई हैं? स्थानीय स्तर पर इतने बड़े मुद्दे के बावजूद मुख्यधारा के कांग्रेसी संगठन की निष्क्रियता यह सोचने पर मजबूर करती है कि क्या वे सत्ता पक्ष के सीधे विरोध से कतरा रहे हैं या फिर संगठन के भीतर समन्वय की भारी कमी है,विपक्ष की यह सुस्ती कहीं न कहीं भाजपा को वॉकओवर देने जैसी नजर आ रही है, जिससे कांग्रेस के जमीनी कार्यकर्ताओं में भी असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन करें : कलेक्टर

राष्ट्रीय शाला क्रीड़ा प्रतियोगिता (बेसबॉल) के लिए सूरजपुर की दो छात्राओं का चयन, 16 से 22 अप्रैल तक दिल्ली में होगा आयोजन

-संवाददाता-

सूरजपुर,10 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)। जिले के लिए गौरव का विषय है कि राजधानी नई दिल्ली में 16 से 22 अप्रैल 2026 तक आयोजित होने वाली 69वीं राष्ट्रीय शाला क्रीड़ा प्रतियोगिता (बेसबॉल) में सूरजपुर की दो प्रतिभाशाली छात्राओं का चयन हुआ है, यह प्रतियोगिता 14 एवं 17 वर्ष आयु वर्ग में आयोजित की जाएगी, सूरजपुर की इन होनहार बेटियों का राष्ट्रीय स्तर पर चयन जिले के लिए गर्व की बात है, अब पूरे जिले की नजरें उनके प्रदर्शन पर टिकी हैं, जहां वे अपने खेल कौशल से प्रदेश और जिले का नाम रोशन करेंगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार 10वीं कक्षा की छात्रा कुमारी अंकिता (पिता श्री धनसाय) का चयन 17 वर्ष आयु वर्ग में हुआ है, 8 वीं कक्षा की छात्रा कुमारी अंजली (पिता श्री धनसाय) का चयन 14 वर्ष आयु वर्ग में हुआ है, दोनों छात्राएं राष्ट्रीय स्तर पर जिले का प्रतिनिधित्व करेंगी।

जिले के लिए गौरव का क्षण-इन बेटियों की इस उपलब्धि से न केवल उनके विद्यालय बल्कि पूरे जिले का मान और गौरव बढ़ा है, उनकी मेहनत, लगन और खेल के प्रति समर्पण अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत बन रहा है।

कलेक्टर से मुलाकात-इस अवसर पर दोनों छात्राओं ने कलेक्टर एस. जयवर्धन से सौजन्य मुलाकात की,कलेक्टर ने छात्राओं को प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा आत्मविश्वास के साथ खेलते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन करें और जिले का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन करें।

सूरजपुर में आदिवासी अधिकार एवं सशक्तिकरण शिविर का भव्य आयोजन

कांग्रेस नेताओं ने भरी हुंकार

-संवाददाता-

सूरजपुर,10 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)। सूरजपुर में आज जिला मुख्यालय स्थित गोंड समाज भवन में जिला कांग्रेस कमेटी एवं आदिवासी कांग्रेस के संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय संभागीय स्तरीय आदिवासी अधिकार एवं सशक्तिकरण शिविर का भव्य शुभारंभ हुआ, कार्यक्रम का शुभारंभ ध्वजारोहण के साथ किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों की उपस्थिति रही, इस शिविर का आयोजन जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुश्री शशि सिंह एवं आदिवासी कांग्रेस के जिला अध्यक्ष संतोष पावले के नेतृत्व में किया गया,जहां आदिवासी समाज के संवैधानिक अधिकारों,राजनीतिक भागीदारी और सामाजिक सशक्तिकरण पर विस्तृत चर्चा की गई, यह शिविर न केवल संगठनात्मक मजबूती का प्रतीक बना,बल्कि आदिवासी समाज के अधिकारों,जागरूकता और राजनीतिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में उभरकर सामने आया।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से एआईसीसी के वरिष्ठ प्रशिक्षक राहुल बल,प्रशिक्षक नरेश राठौड़ एवं आदिवासी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जनक ध्रुव उपस्थित रहे,राहुल बल ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जल,जंगल और जमीन के अधिकारों के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया, जनक ध्रुव ने आदिवासी समाज के हित में कांग्रेस द्वारा किए गए ऐतिहासिक कार्यों को रेखांकित करते हुए संगठन को और मजबूत करने पर जोर दिया।

दिग्गज नेताओं की मौजूदगी

शिविर में कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता एवं पूर्व जनप्रतिनिधि शामिल हुए, जिनमें प्रमुख हैं अमरजीत भगत (पूर्व मंत्री),डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम (पूर्व मंत्री), आदित्येश्वर शरण सिंह देव (पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष), पारसनाथ रजवाड़े, भोला सिंह,अर्चना पोर्ते,आशिका कुजूर इन नेताओं ने कार्यकर्ताओं में उत्साह भरते हुए संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने का संदेश दिया।

सशक्तिकरण और अधिकारों पर जोर

जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुश्री शशि सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि यह शिविर केवल एक आयोजन नहीं बल्कि आदिवासी समाज को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने का अभियान है,वक्ताओं ने वर्तमान परिस्थितियों में आदिवासी समाज के सामने आ रही चुनौतियों जमीन, संसाधनों और अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करते हुए समाधान के रास्ते भी सुझाए।

संगठन की सक्रिय भागीदारी

कार्यक्रम की सफलता में संगठन के कई पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही, इस अवसर पर संतोष पावले, संजय डोसी, सुनील अग्रवाल,बिहारी कुलदीप,शिवभजन सिंह मरावी,नवीन जायसवाल, नरेंद्र जैन,वेदप्रकाश मिश्रा,अविनाश साहू,बबिता गुप्ता,सुनील सारथी,सुरेश आयाम, लिवनेश सिंह, समीर सिंह, सुरेश सिंह सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं समाज के लोग उपस्थित रहे।

25 साल पहले आया वो गाना... बूढ़े भी हुए थे इस हसीना के दीवाने

अलका याग्निक की आवाज पर आज भी बजती हैं सीटियां

फिल्मों में कुछ ही आइटम सॉन्ग्स ऐसे होते हैं,जो कई-कई सालों तक लोगों को याद रह जाते हैं। 25 साल पहले एक ऐसे ही गाने ने सनसनी मचाई थी,जिसने बूढ़ों के दिलों की धड़कने भी तेज कर दी थी। आज के समय में अगर फिल्मों में आइटम सॉन्ग न हो, तो फिल्में कुछ अधूरी सी लगती हैं। बात फिर चाहे धुरंधर के शरारत गाने की हो या फिर अग्निपथ के चिकनी चमेली की,आइटम नंबर्स हमेशा फिल्मों में मसाले और तड़के का काम करते हैं। हालांकि, अब पूरा आइटम सॉन्ग श्रोताओं को याद रह जाए, ऐसा कम ही देखने को मिलता है। आज के आइटम सॉन्ग्स फैंस को याद रहें या न रहें, लेकिन 25 साल पहले एक ऐसा गाना आया था,जिसने 2000 के दशक में सनसनी मचा दी थी। इस गाने में हसीना के लटकों-झटकों पर सिर्फ युवा ही नहीं,बल्कि बूढ़े भी अपना दिल हार बैठे थे। कौन सा था वह गाना?

25 साल पहले इस गाने ने मचाई थी सनसनी

हम जिस गाने की बात कर रहे हैं, वह 25 साल पहले 2001 में रिलीज हुई बॉबी देओल की सुपरहिट फिल्म आशिक का है। मूवी में भले ही बॉबी देओल के अपोजिट मुख्य भूमिका में करिश्मा कपूर थीं,लेकिन फिल्म के एक आइटम सॉन्ग के जरिए पूरी लाइमलाइट गोविंदा की बहू कश्मीरा शाह ने चुरा ली थी।

बॉबी देओल की फिल्म आशिक के इस आइटम सॉन्ग गोरे गोरे गाल मेरे...बहकी बहकी चाल है ने उस समय तहलका मचा दिया था। फिल्म में यह एक क्लब सॉन्ग है, जहां कश्मीरा शाह अपने सिजलिंग डांस और खूबसूरती से सिर्फ जवानों को ही नहीं, बल्कि बूढ़ों को भी डांस करने पर मजबूर कर देती हैं।

अलका याग्निक ने दी थी इस आइटम सॉन्ग को आवाज

कश्मीरा शाह पर फिल्माए गए इस ब्लॉकबस्टर गाने को अपनी सुरीली आवाज दिग्गज सिंगर अलका याग्निक ने दी थी। इसके बोल मशहूर गीतकार समीर ने लिखे थे, जबकि संजीव-दर्शन की जोड़ी ने इस गाने का शानदार म्यूजिक कंपोज किया था।

यह गाना अपने समय का एक बहुत बड़ा चार्टबस्टर था। इस गाने का क्रेज आज भी खत्म नहीं हुआ है; जब भी यह क्लब या शादियों में बजता है, तो हर कोई इसकी धुन पर थिरकने को मजबूर हो जाता है।

कश्मीरा शाह को मिली थी खूब लोकप्रियता

इस इकलौते गाने ने कश्मीरा शाह को उस समय रातों-रात जबरदस्त लोकप्रियता दिलाई थी। वहीं, अगर फिल्म आशिक की स्टारकास्ट की बात करें, तो इसमें करिश्मा कपूर और बॉबी देओल के अलावा नासिर खान, राहुल देव, स्मिता जयकर, अनुपम खेर और जॉनी लीवर जैसे सितारों ने अहम भूमिकाएं निभाई थीं।

गजब है निक जीजू की देसी प्लेलिस्ट...

26 साल पुराने माधुरी के गाने पर झूम रहे हैं प्रियंका के पति निक जोनस...

निक जोनस सोशल मीडिया पर अपने बॉलीवुड गानों के वीडियो के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में उन्होंने माधुरी दीक्षित के 26 साल पुराने गाने अपने कई वीडियोज को मिलाकर एक रील शेयर की है। देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा भले ही सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हों, लेकिन पिगी चोप्स से ज्यादा लाइमलाइट लूटकर ले जाते हैं उनके पति निक जोनस। जी हां, निक जोनस का सोशल मीडिया गेम काफी अप रहता है।

तभी तो जब भी किसी बॉलीवुड गाने पर निक कोई रील या वीडियो अपलोड करते हैं, लोग उस पर भर-भरकर प्यार लुटाते हैं। इसी बीच अब निक के इंडियन गानों की प्लेलिस्ट में एक और गाना शुमार हो गया है।

बॉलीवुड गानों का निक पर चढ़ा खुमार

यूं तो प्रियंका के पति अक्सर सोशल मीडिया पर कोई ना कोई वीडियो रील अपलोड करते ही रहते हैं और जबसे निक की शादी प्रियंका से हुई है,तबसे निक जोनस पूरी तरह से देसी हो चुके हैं।

हाल ही में निक ने एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। इस वीडियो में निक ने अपने कुछ पुराने वीडियोज को जोड़कर एक पूरा वीडियो बनाया है। वीडियो में निक थिरकते हुए दिख रहे हैं, तो वहीं इसमें प्रियंका चोपड़ा भी नजर आई हैं।

वीडियो के शुरूआत में लिखा हुआ आता है कि, वो करो जो आपका दिल कहता है। इसके आगे नजर लिखा नजर आता है कि मैं वो कर रहा हूं जो मेरा दिल कह रहा है। मतलब यह है कि निक का दिल उन्हें इंडियन गानों पर थिरकने के लिए कहता है और वो यह कर भी रहे हैं।

माधुरी के गाने पर निक कर रहे हैं वाइब

इस वीडियो को शेयर करते हुए निक ने जो वीडियो शेयर किया है वो वाकई में कमाल है। वीडियो में निक माधुरी के गाने काय शेरा शेरा पर थिरकते हुए नजर आ रहे हैं। इस गाने में ओरिजनली माधुरी दीक्षिता और प्रभुदेवा नजर आए थे। अब उसी पर निक जोनस खूब थिरक रहे हैं। सोशल मीडिया पर निक के इस वीडियो पर लोग खूब मजेदार कमेंट्स कर रहे हैं। कोई कह रहा है कि प्रियंका से ज्यादा देसी निक जोनस हैं, तो कोई कहने में लगा हुआ है कि निक जीजू की प्लेलिस्ट भी कमाल है।

थिएटर्स में लौट रही 51 साल पुरानी ब्लॉकबस्टर

खर्च से 55 गुना ज्यादा की थी कमाई

भारतीय सिनेमाघरों में 51 साल पुरानी फिल्म लौट रही है। इस फिल्म ने पांच दशक पहले बॉक्स ऑफिस पर कमाई से तूफान ला दिया था। एक ऐसी फिल्म जिसने 51 साल पहले बॉक्स ऑफिस पर कमाई से सुनामी ला दी थी, अब फिर से बड़े पर्दे पर रिलीज की तैयारी में है। इस फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स से खूब प्यार मिला था। यही वजह है कि अब पांच दशक के बाद फिर से फिल्म बड़े पर्दे पर आ रही है। दिलचस्प बात यह है कि यह क्लासिक कल्ट मूवी अक्षय कुमार की मोस्ट एंटीसिपेटेड फिल्म भूत बंगला के साथ ही बड़े पर्दे पर दस्तक दे रही है। इस फिल्म की कहानी हॉरर और एडवेंचर से भरी है। इस फिल्म ने पांच दशक पहले खर्च से पांच गुना ज्यादा कारोबार किया था।

तीन ऑस्कर्स जीत चुकी फिल्म

आईएमडीबी से 8.1 रेटिंग हासिल करने वाली इस फिल्म की कामयाबी का अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि फिल्म की रिलीज के बाद इसके तीन सीक्वल बने। इस फिल्म ने 1975 में कुल तीन ऑस्कर अवॉर्ड्स अपने नाम किए थे।

क्या है फिल्म की कहानी?

फिल्म की कहानी न्यू इंग्लैंड के एक टूरिस्ट शहर एमिटी आइलैंड के इर्द-गिर्द घूमती है, जहां एक शार्क एक जवान लड़की को मार डालती है। पुलिस चीफ मार्टिन ब्रॉडी (रॉय शाइडर) बीच बंद करवाना चाहते हैं लेकिन मेयर लैरी वॉन (मरे हैमिल्टन) उनकी बात नहीं मानते, क्योंकि उन्हें डर होता है कि टूरिस्टों से होने वाली कमाई बंद होने से शहर की हालत खराब हो जाएगी।

इसके बाद मैट हूपर (रिचर्ड ड्रेफस) और जहाज के कप्तान क्विंट (रॉबर्ट शॉ) को उस जानलेवा जानवर को पकड़ने के लिए कहा जाता है। इसके बाद असली खेल शुरू होता है।

55 गुना ज्यादा की थी कमाई

हम जिस फिल्म की बात कर रहे हैं वह है जॉज । स्टीवन स्पीलबर्ग निर्देशित 2 घंटे 4 मिनट की फिल्म जॉज एक क्लासिक कल्ट मूवी है। यह फिल्म जब 1975 में रिलीज हुई थी, तब सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी।

500 करोड़ में बनी जन नायगन पर मंडराए मुसीबत के बादल,

विजय की आखिरी फिल्म रिलीज से पहले हुई लीक?

साउथ सुपरस्टार विजय की आखिरी फिल्म जन नायगन पर मुसीबत के बादल हटने का नाम नहीं ले रहे हैं। अब इस पर एक नया अपडेट सामने आया है। एक्टर विजय की मोस्ट अवेटेड फिल्म जन जायगन के लीक हुए क्लिप्स को शेयर करने की नेटिजन्स से अपील करते हुए जाने माने तमिल प्रोड्यूसर धनंजय ने अब कहा है कि जो भी लोग एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर फर्जी हैंडल्स का इस्तेमाल करके वीडियो शेयर कर रहे हैं, उन्हें साइबर सेल द्वारा तुरंत ब्लॉक किया जाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, एच विनोथ की इंस्टा पोस्ट पढ़कर मुझे दुख हुआ। साजिश की थ्योरीज फैलाना बंद करो, बस ट्वीट्स और रील्स पर वीडियो शेयर करना बंद करो दोस्तों। तमिल सिनेमा के रेवेन्यू और भविष्य को बर्बाद मत करो।

खेल समाचार

पीबीकेएस व्हीएस एमआई से पहले कूपर कोनोली बोले...मुंबई के खिलाफ मुकाबला रोमांचक

लेकिन फिलहाल एसआरएच मैच पर फोकस

मुल्लांपुर,10 अप्रैल 2026। पंजाब किंग्स का सामना 16 अप्रैल को मुंबई इंडियंस से होगा। दोनों टीमों के बीच आईपीएल में हमेशा रोमांचक मुकाबले देखने को मिले हैं। अब तक खेले गए 34 मैचों में दोनों ने 17-17 मुकाबले जीते हैं, जिससे उनकी टक्कर बराबरी की नजर आती है।

एमआई के खिलाफ इस मुकाबले से पहले टीम के युवा खिलाड़ी कूपर कोनोली ने इसे रोमांचक बताया है। हालांकि, टीम का अगला मुकाबला शनिवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ है, जिस पर फिलहाल उनका पूरा फोकस है।

कोनोली ने गुरुवार को जियोस्टार प्रेस रूम में कहा,मुंबई जैसी मजबूत टीम के खिलाफ खेलना हमेशा चुनौतीपूर्ण और रोमांचक होता है, क्योंकि उनके पास कई मैच विनर खिलाड़ी हैं। लेकिन फिलहाल मेरा फोकस सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ होने वाले मैच पर है। उन्होंने आगे बताया कि वह हर मैच से पहले विपक्षी टीम और गेंदबाजों की फुटेज देखते हैं और उसी के आधार पर अपनी रणनीति तैयार करते हैं।

श्रेयस से सीखना पसंद है...

कोनोली ने कप्तान श्रेयस अय्यर की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा, मैंने कुछ महीने पहले ऑस्ट्रेलिया और भारत सीरीज के दौरान श्रेयस से थोड़ी बातचीत की थी। मुझे उन्हें खेलते देखना पसंद है। मुझे उनसे सीखना पसंद है। वह एक वर्ल्ड क्लास खिलाड़ी हैं, लेकिन मैं बस उनसे सीखने और बेहतर बनने की कोशिश करता रहूंगा और इस टीम के लिए अपना बेस्ट प्रदर्शन करने की कोशिश करूंगा।

कोनोली पंजाब किंग्स के टॉप स्कोरर

कूपर कोनोली फिलहाल पंजाब किंग्स के टॉप स्कोरर हैं। उन्होंने 3 मैचों में 108 रन बनाए हैं, जिसमें एक अर्धशतक शामिल है। अपने आईपीएल डेब्यू मैच में गुजरात टाइटंस के खिलाफ कोनोली ने 44 गेंदों में नाबाद 72 रन की पारी खेली थी। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया था।

आज पंजाब का सामना हैदराबाद से...

पंजाब का अगला मैच 11 अप्रैल सनराइडर्स हैदराबाद के खिलाफ खेला जाएगा। मैच मुल्लांपुर (न्यू चंडीगढ़) में दोपहर 3:30 बजे से शुरू होगा। टीम का पिछला मैच कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ बारिश के कारण रद्द रहा था। आईपीएल 2026 का रोमांच अब और बढ़ने वाला है, क्योंकि 12 से 18 अप्रैल तक राइवलरी वीक शुरू होगी। इस सप्ताह में हाई-वोल्टेज मैचों का लाइव और एक्सक्लूसिव प्रसारण जियो हॉटस्टार और स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर देख सकते हैं।

हिमा ने एथलेटिक्स सीरीज 3 में 400 मीटर में नाम दर्ज कराया

नई दिल्ली,10 अप्रैल 2026। पिछले छह साल से अपनी खास 400-मीटर रेस से दूर रहीं हिमा दास 11 अप्रैल को नई दिल्ली में होने वाली इंडियन एथलेटिक्स सीरीज़ 3 में यह ब्रेक खत्म कर सकती हैं। 26 साल की एथलीट, जिन्होंने एशियन गेम्स 2018 में महिलाओं की 400एम रेस में 50.79 सेकंड का नेशनल रिकॉर्ड बनाकर सिल्वर मेडल जीता था, ने अपने राज्य असम को रिप्रेजेंट करते हुए 200एम और 400एम दोनों रेस में अपना नाम दर्ज कराया। हिमा जिन्हें कभी 2018 वर्ल्ड यू-20 चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल और उसके बाद 2018 एशियन गेम्स में एक गोल्ड और एक सिल्वर मेडल के साथ 400एम में भारत की सबसे बड़ी मेडल उम्मीद माना जाता था 2024 में जगह की जानकारी न दे पाने की वजह से नाडा द्वारा सस्पेंड किए जाने के बाद पूरे 2025 सीज़न में नहीं खेल पाईं। दिलचस्प बात यह है कि हिमा ने पिछले महीने तिरुवनंतपुरम में इंडियन ओपन 400द्व कॉम्पिटिशन के लिए अपना नाम दर्ज कराया था, लेकिन वह इवेंट में नहीं आईं। हालांकि, एथलीट ने बताया कि वह दिल्ली मीट में हिस्सा लेंगी, लेकिन 400एम में हिस्सा लेने के बारे में वह कॉम्पिटिशन के दिन फैसला करेंगी। ढिंग एक्सप्रेस कही जाने वाली हिमा ने कोविड-19 के बाद अजीब तरह से स्प्रिंट इवेंट्स में हिस्सा लिया, क्योंकि इसकी वजह एक रहस्यमयी चोट बताई गई थी। इस रनर को महिलाओं की 4×100एम रिले (2021 में) में नेशनल रिकॉर्ड और 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स में इसी इवेंट में चौथे स्थान के साथ सीमित सफलता मिली। इस बीच, भारतीय 4×100एम मिक्स्ड रिले टीम पिछले महीने के आखिर में इंडियन ओपन रिलेज़ में नेशनल रिकॉर्ड तोड़ने के बावजूद वर्ल्ड रिले चैंपियनशिप में जगह बनाने से एक स्थान से चूक गई। भारतीय चौकड़ी, जिसमें कर्नाटक की उन्नथी अयप्पा भी थीं, ने 42.30 सेकंड का समय निकालकर अपनी रैंकिंग में सुधार करते हुए 19वीं रैंकिंग हासिल की।

हॉकी इंडिया का बड़ा निर्णय

टिम व्हाइट को जूनियर महिला टीम का कोच बनाया

नई दिल्ली,10 अप्रैल 2026। हॉकी इंडिया ने शुक्रवार को टिम व्हाइट को जूनियर महिला टीम का कोच बनाने की घोषणा की। ऑस्ट्रेलियाई हाई-परफॉर्मेंस कोच व्हाइट ने हाल ही में जनवरी में हॉकी इंडिया लीग में अकॉर्ड तमिलनाडु ड्रैगन्स के हेड कोच के तौर पर काम किया था। वह भारत महिला हॉकी की अगली पीढ़ी को तैयार करने के लिए मुख्य कोच की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने इस नियुक्ति का स्वागत करते हुए कहा, हम टिम व्हाइट को टीम में शामिल करके बहुत खुश हैं। बेल्जियम और ऑस्ट्रेलियाई जूनियर कार्यक्रम के साथ उनका पुराना रिकॉर्ड अपने आप में बहुत कुछ कहता है, खासकर जूनियर विश्व कप में टीमों को पोडियम फिनिश तक ले जाने में उनकी सफलता। हमारा मानना है कि हाई-परफॉर्मेंस कोचिंग और एथलीट विकास में उनका बहुत बड़ा अनुभव हमारी जूनियर महिलाओं को सीनियर अंतरराष्ट्रीय हॉकी की चुनौतियों के लिए तैयार करने में बहुत जरूरी होगा। हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, टिम की नियुक्ति हमारी जूनियर टीमों को विश्व स्तरीय कोचिंग देने के हमारे लक्ष्य से मेल खाती है। जूनियर से सीनियर हॉकी में बदलाव एक अहम दौर है, और हमें विश्वास है कि टिम के निर्देशन में हमारे युवा एथलीट सबसे ऊंचे लेवल पर अच्छा प्रदर्शन करने के लिए जरूरी तकनीकी परिपक्वता हासिल करेंगे। व्हाइट ने अपनी नियुक्ति पर कहा, हाल ही में तमिलनाडु ड्रैगन्स के कोच के तौर पर इंडिया में समय बिताने के बाद, मैं देश के जबरदस्त पैशन और समृद्ध हॉकी संस्कृति से वापस आया। मैंने जूनियर वर्ल्ड कप में इंडिया के खिलाफ कोचिंग करते हुए यहां बहुत सारी युवा प्रतिभाएं देखीं। ऐसे एथलीट्स के साथ फुल-टाइम काम करने का मौका मिलना एक विशेषाधिकार की तरह है। मेरा लक्ष्य तकनीकी रूप से मजबूत खिलाड़ियों को तैयार करना है जो गैप को भरने और सीनियर टीम में जगह बनाने के लिए तैयार हों। टीम के प्रति अपने विजन के बारे में उन्होंने कहा, मैं गेम को सिंपल रखना चाहता हूं और सामूहिक साथ ही व्यक्तिगत मजबूती पर फोकस करना चाहता हूं। हमारा लक्ष्य एक ऐसी टीम बनना होगा जो आक्रामक हॉकी को अहमियत दे लेकिन अपने रक्षात्मक खेल में भी अनुशासित रहे। यह जरूरी है कि हम पूरे 60 मिनट तक उच्च स्तर पर प्रदर्शन करने के लिए शारीरिक रूप से कड़ी मेहनत करें। टीम-फर्स्ट की अवधारणा को आगे रखते हुए हम किसी भी अंतरराष्ट्रीय चुनौती के लिए अच्छी तरह तैयार रहेंगे।

प्रेरणा से प्रतिद्वंद्वी तक शीतल-पायल की जोड़ी ने पैरा तीरंदाजी को रोशन किया

नई दिल्ली,10 अप्रैल 2026। जम्मू और कश्मीर के दूर-दराज के गांव लोइधर से एक ऐसी लड़की की प्रेरणा देने वाली कहानी सामने आई, जो बिना हाथों के पैदा हुई थी। सभी मुश्किलों को पार करते हुए, उसने अपने पैरों से तीर चलाकर निशाना साधा और दर्शकों को उसके पक्के इरादे और टैलेंट से हैरान कर दिया। लगभग तीन साल पहले अपनी पहली कामयाबी के बाद से, शीतल देवी ने इंटरनेशनल लेवल पर कई मेडल जीते हैं -- वर्ल्ड चैंपियन बनीं, पैरा ओलंपिक ब्रॉन्ज़ मेडलिस्ट (2024 पेरिस), दुनिया की नंबर 1 बनीं और ताकतवर तीरंदाज़ों से भी मुकाबला किया और उनमें से कुछ को हराया भी। अपने खेल से नई ज़िंदगी की तारीफ़ें और पहचान हासिल करते हुए, 19 साल की यह लड़की इस बात से अनजान थी कि कितने लोग, खासकर खुद जैसी युवा लड़कियों को वह प्रेरणा दे रही थी। और उनमें से एक, 18 साल की पायल नाग, अब शीतल की सबसे बड़ी कॉम्पिटिटर बन गई है और उनके हालिया मुकाबलों को पैरा कंपाउंड तीरंदाज़ी में एक लंबी और हेल्दी राइवलरी की शुरुआत माना जा रहा है।

पायल की कहानी को और भी प्यारा इसलिए बनाता है क्योंकि ओडिशा के बलांगीर नाम के एक शहर की यह लड़की चार पैरों से विकलांग है और बिजली का झटका लगने की वजह से उसके चारों हाथ-पैर कट गए थे। आर्चरी के बारे में अपनी कहानी को पलटते हुए और प्रेरणा के लिए शीतल को देखते हुए, पायल अब अपनी आइडल के साथ 2-2 का हेड-टू-हेड रिकॉर्ड शेयर करती है। और दोनों के बीच फिनिश लाइन तक की सबसे नई लड़ाई तब हुई जब पायल ने पिछले वीकेंड बैंकॉक, थाईलैंड में वर्ल्ड आर्चरी पैरा सीरीज़ में शीतल को हराकर गोल्ड मेडल जीता। स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया द्वारा आयोजित एक मीडिया बातचीत के दौरान शीतल ने कहा, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि मैं हारती हूँ या जीतती हूँ। अच्छा लगता है कि पायल आगे बढ़ी है और अच्छा कर रही है। पहले ऐसा लगता था कि मैं अकेली हूँ। लेकिन अब नहीं। पहले या दूसरे स्थान पर आना खेल का हिस्सा है। यह कोई बड़ी बात नहीं है।

मीनाक्षी एशियाई कुश्ती के फाइनल में पहुंचीं

हंसिका और नेहा ने कांस्य पदक जीता

नई दिल्ली,10 अप्रैल 2026। दो बार की नेशनल चैंपियन मीनाक्षी गोयत ने शानदार वापसी करते हुए साउथ कोरिया की सियोयंग पार्क को हराकर महिलाओं के 53किग्रा के फाइनल में जगह बनाई, जबकि हंसिका लांबा (55किग्रा) और नेहा (59किग्रा) ने किर्गिस्तान के बिश्केक में सीनियर एशियन रेसलिंग चैंपियनशिप में भारत के लिए ब्रॉन्ज़ मेडल जीते। मीनाक्षी, जिन्होंने दो बार की वर्ल्ड चैंपियनशिप ब्रॉन्ज़ मेडलिस्ट अंतिम पंघाल को हराकर इंडियन स्क्वॉड में जगह बनाई थी, अपने सेमीफाइनल मुकाबले के आखिरी 30 सेकंड तक 0-2 से पीछे चल रही थीं। 25 साल की इस खिलाड़ी ने चार पॉइंट के अहम थ्रो के साथ मुकाबला पलट दिया और अपनी बढ़त बनाए रखते हुए फाइनल में जगह बनाई। पूर्व एशियन -23 चैंपियन का अब सामना चीन की जिन झांग से होगा, जिन्होंने जापान की मो कियूका को फॉल से हराकर आगे बढ़ीं। बाद में, हंसिका लांबा और नेहा ने भारत की गिनती में दो और ब्रॉन्ज़ मेडल जोड़े, पुरुषों के ग्रीको-रोमन पहलवानों के शानदार प्रदर्शन के बाद,जिन्होंने कॉम्पिटिशन के शुरुआती तीन दिनों में पहले ही दो सिल्वर और तीन ब्रॉन्ज़ मेडल जीत लिए थे। महिलाओं के 55द्मद्द ब्रॉन्ज़ मेडल बाउट में, हंसिका ने किर्गिस्तान की अरुके कादिरबेक काइज़ी के खिलाफ शुरुआत में सब्र दिखाया और दूसरे राउंड में कंट्रोल हासिल कर लिया। 19 साल की हंसिका ने एक सफल लेग अटैक करके टेकडाउन किया और बाउट में अपना दबदबा बनाए रखा, जिससे 6-1 से जीत पक्की हो गई। इसके बाद नेहा ने महिलाओं के 59किग्रा ब्रॉन्ज़ मेडल प्लेऑफ़ में मंगोलिया की बोलोरतुया खुरेलखू पर 10-4 से शानदार जीत के साथ कॉम्पिटिशन में भारत का सातवां मेडल जीता।

लेब्रोन जेम्स ने स्टीफन करी के उनके सिग्नेचर स्नीकर्स पहनने पर अपनी प्रतिक्रिया दी

लेबनान ,10 अप्रैल 2026। मशहूर लेकर्स-वॉरियर्स राइवलरी के लेटेस्ट चैप्टर में कोर्ट के बाहर एक हल्का-फुल्का पल आया जिसने फैंस और प्लेयर्स दोनों का ध्यान खींचा, जब स्टीफन करी ने मैच से पहले लेब्रोन जेम्स के सिग्नेचर नाईक स्नीकर्स पहनकर उन्हें ट्रिब्यूट दिया। करी एरीना में रेट्रो नाईक लेब्रोन एक्स आईडी प्लेयर-एक्सक्लूसिव डिज़ाइन पहनकर पहुंचे, इस इशारे को उनके लंबे समय के ऑन-कोर्ट राइवल के प्रति सम्मान के तौर पर देखा गया। यह पल तुरंत वायरल हो गया, जिसने एमबीए की सबसे मशहूर मॉडर्न राइवलरी में से एक में एक और लेयर जोड़ दी। जब करी के फुटवियर चॉइस के बारे में पूछा गया तो लेब्रोन ने पॉजिटिव जवाब दिया, और इस इशारे के लिए तारीफ की। जेम्स ने कहा, मेरा मतलब है, आपके पास अब तक के सबसे महान खिलाड़ियों में से एक है जो मेरे किक्स को रॉक कर रहा है, यह सुपर कूल था,करी को अपने सिग्नेचर शूज़ में देखने की इंपॉर्टेंस को मानते हुए। इस पल ने दो जेनरेशनल आइकॉन के बीच आपसी सम्मान को हाईलाइट किया, जिन्होंने एक दशक से ज़्यादा समय से लीग को डिफाइन किया है। एमबीए फ़ाइनल में ज़बरदस्त मुकाबलों और अनगिनत हाई-स्टेक रेगुलर-सीज़न मैचों के बावजूद, दोनों स्टार्स ने अक्सर सबके सामने एक-दूसरे की महानता की तारीफ़ की है। लेकर्स ने कोर्ट पर लेटेस्ट मुक़ाबला पक्का किया, लेकिन करी का प्रीगेम ट्रिब्यूट उस रात की सबसे खास बातों में से एक बन गया, जिससे बास्केटबॉल के दो सबसे बड़े लेजेंड्स के बीच हमेशा रहने वाला सम्मान और पक्का हो गया।

हाईकोर्ट का बड़ा फैसला...हेडमास्टर पदोन्नति से जुड़े आदेश पर लगाई रोक

बिलासपुर, 10 अप्रैल 2026। हाईकोर्ट ने बस्तर संभाग में जारी हेडमास्टर पदोन्नति से जुड़े आदेश पर रोक (स्टे) लगा दी है। यह आदेश 23 मार्च 2026 को जारी किया गया था, जिसे कोर्ट ने प्रथम दृष्टया त्रुटिपूर्ण पाया है। अदालत का मानना है कि यह पदोन्नति आदेश निरस्त किए जा चुके 2019 के नियमों के आधार पर जारी किया गया, जबकि राज्य में नई पदोन्नति नियमावली 13 फरवरी 2026 से प्रभावी हो चुकी थी। जानकारी के अनुसार, दुर्गेश कुमार कश्यप व अन्य शिक्षकों ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से हाईकोर्ट में याचिका दायर कर इसे चुनौती दी थी। याचिका की सुनवाई जस्टिस पी.पी. साहू की सिंगल बेंच में हुई। मामले की सुनवाई के दौरान तर्क दिया गया कि पदोन्नति आदेश कानूनी रूप से अमान्य है, क्योंकि इसे पुराने नियमों के तहत जारी किया गया है। 2026 के नियमों में टीईटी अनिवार्य योग्यता है, जबकि जिन शिक्षकों को पदोन्नति दी गई, वे टीईटी पास नहीं हैं। शिक्षा विभाग द्वारा जारी पदोन्नति आदेश RTE Act, NCTE विनियम और सुप्रीम कोर्ट के 2025 के फैसले के खिलाफ है, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि टीईटी के बिना पदोन्नति का कोई हक नहीं। हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता की दलीलों को सुनने के बाद पदोन्नति आदेश के संचालन व क्रियान्वयन पर रोक लगा दी। हाईकोर्ट के स्टे के बाद अब हेडमास्टर पदोन्नति प्रक्रिया पर अनिश्चितता बढ़ गई है।

छत्तीसगढ़ के कांकेर में दो कारों की टक्कर में मासूम सहित 6 की मौत

कांकेर, 10 अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में भीषण सड़क हादसे में कॉन्स्टेबल मुनेंद्र नेताम के परिवार के चार लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। हादसा नेशनल हाईवे-30 पर कोतवाली थाना क्षेत्र में दो कारों की आमने-सामने टक्कर से हुआ। जानकारी के मुताबिक, उड़कुडा निवासी नेताम परिवार गुरुवार रात चीवरांज में शादी से लौट रहा था। नाथिया नवागांव के पास उनकी कार दूसरी कार से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि 6 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में मुनेंद्र नेताम की पत्नी कुंती नेताम, दामाद शगुनदास नेताम, बहन मकतुला नेताम और 7 साल का भांजा वंश नेताम के साथ दो रिश्तेदार भी शामिल हैं। हादसे में दोनों वाहनों के तीन लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। प्राथमिक उपचार के बाद सभी को रायपुर रेफर किया गया है। टक्कर में दोनों कारें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। दूसरी कार में सवार दो युवक घायल हुए हैं। बताया जा रहा है कि उनकी कार तेज रफ्तार में थी और ट्रक को ओवरटेक करते समय सामने से आ रही स्विफ्ट डिजायर से टकरा गई। इधर घटना की जानकारी मिलते ही हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन तुरंत मौके पर पहुंचा और घायलों को फौरन अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है। एसपी निखिल राखेचा ने भी घटनास्थल का जायजा लिया।

बस्तर में नक्सल ढांचा ढहा...अंतिम कमांडर सोड़ी केशा ने अपने 42 साथियों के साथ हैदराबाद में किया सरेंडर

बस्तर, 10 अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ से लगे राज्य तेलंगाना से आई एक बड़ी खबर ने दक्षिण बस्तर में नक्सल नेटवर्क को बड़ा झटका दिया है। नक्सलियों की बटालियन के अंतिम कमांडर सोड़ी केशा ने अपने 42 साथियों के साथ हैदराबाद में पुलिस के सामने समर्पण कर दिया है। इस दौरान उन्होंने पुलिस को भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी सौंपे हैं। बताया जा रहा है कि सोड़ी केशा लंबे समय से दक्षिण बस्तर में सक्रिय नक्सलियों की आखिरी मजबूत कड़ी था, जिसने कर्रेगुट्टा की दुर्गम पहाड़ियों को अपना ठिकाना बना रखा था। हिड़मा के एनकाउंटर और बारसे देवा के सरेंडर के बाद संगठन की कमान पूरी तरह सोड़ी केशा के हाथों में आ गई थी, लेकिन लगातार दबाव और सुरक्षा बलों के ऑपरेशन के चलते अब उसने भी हथियार डाल दिए। इस बड़े समर्पण के साथ ही दक्षिण बस्तर में सक्रिय नक्सलियों की आखिरी संगठित टुकड़ी भी खत्म मानी जा रही है। सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक 42 माओवादियों के सरेंडर के बाद इलाके में नक्सल संगठन अब लगभग पूरी तरह निष्क्रिय हो चुका है। लगातार ऑपरेशन, रणनीतिक दबाव और सरेंडर पॉलिसी के असर से अब बस्तर में नक्सलवाद अपने अंतिम दौर में पहुंचता नजर आ रहा है।

बिलासपुर में 17 बकरियों की संदिग्ध मौत पेट फटे मिले, शरीर पर थे जख्म, पुलिस ने वन्यजीव हमले की आशंका जताई

बिलासपुर, 10 अप्रैल 2026। बिलासपुर जिले के तखतपुर विकासखंड की ग्राम पंचायत खैरी में 17 बकरा-बकरियों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस को कुछ बकरियों के पेट फटे हुए मिले, जबकि अन्य के शरीर पर गहरे जख्म के निशान थे। तखतपुर टीआई विवेक पांडेय का कहना है कि बकरा-बकरियों की मौत किसी वन्यजीव के हमले से हुई होगी, क्योंकि जख्म वाली जगह पर पंजे और नाखून के निशान मिले हैं।। इधर, बकरा-बकरियों की मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए जब शव का पोस्टमार्टम किया गया तो पशु चिकित्सक ने गहरे जख्म को देखकर आशंका जताई है कि यह लकड़बग्घे की करतूत भी हो सकती है। हालांकि, अभी पोस्टमार्टम रिपोर्ट नहीं आई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही यह साफ हो पाएगा कि यह किसी वन्यजीव का हमला था या मौत की कोई और वजह है। पशुपालक प्रेमलाल बिरको के लिए ये बकरियां उनकी आजीविका का मुख्य साधन थीं।

सुकमा में 'मुख्यमंत्री बस्तर स्वास्थ्य योजना' का होगा शुभारम्भ....

आधुनिक चिकित्सा और पारंपरिक औषधीय ज्ञान के संगम से सशक्त होगा छत्तीसगढ़ का स्वास्थ्य मॉडल : मुख्यमंत्री साय

रायपुर, 10 अप्रैल 2026। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नवा रायपुर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति स्वास्थ्य विज्ञान एवं आयुष विश्वविद्यालय में आयोजित ऑल इंडिया हेल्थ साइंसेज वाइस चांसलर मीट-2026 को संबोधित करते हुए इसे प्रदेश के लिए एक ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण अवसर बताया। उन्होंने भगवान श्रीराम के ननिहाल छत्तीसगढ़ की पावन धरा पर देशभर से आए कुलपतियों, शिक्षाविदों और विद्यार्थियों का आत्मीय स्वागत किया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि पहली बार आयोजित इस एकदिवसीय सम्मेलन के माध्यम से स्वास्थ्य शिक्षा और चिकित्सा क्षेत्र में नवाचारों का व्यापक आदान-प्रदान होगा, जो आने वाले समय में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध होगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस मंच से निकले विचार न केवल नीति निर्माण को दिशा देंगे, बल्कि आमजन तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में भी सहायक होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले दो वर्षों में राज्य सरकार ने स्वास्थ्य क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। प्रदेश में पांच नए मेडिकल कॉलेज, 14 नर्सिंग कॉलेज तथा एक होम्योपैथी कॉलेज का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

उन्होंने कहा कि स्वस्थ नागरिक ही विकसित छत्तीसगढ़ की आधारशिला हैं और इसी दृष्टिकोण के साथ स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और गुणवत्ता सुधार पर निरंतर कार्य किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के प्रयासों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के तहत गरीब परिवारों को 5 लाख रुपये तक की सहायता मिलना उनके लिए वरदान सिद्ध हो रहा है। उन्होंने कहा कि पहले गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए ग्रामीणों को कर्ज लेने या जमीन बेचने जैसी कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता था, लेकिन अब यह स्थिति तेजी से बदल रही है और स्वास्थ्य सेवाओं में विश्वास बढ़ा है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि मधुमेह और कैंसर जैसी बीमारियां, जो पहले सीमित वर्ग तक मानी जाती थीं, अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी तेजी से फैल रही हैं। इस चुनौती से निपटने के लिए केंद्र सरकार द्वारा 'आरोग्य मंदिर' जैसी पहल की जा रही है, जिसका उद्देश्य लोगों को स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा देश में तीन आयुर्वेदिक एम्स स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य का लगभग 44 प्रतिशत क्षेत्र वनाच्छादित है, जो औषधीय पौधों की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध है। इसी संदर्भ में उन्होंने हेमचंद मांझी को आयुर्वेद के क्षेत्र में पद्मसम्मान मिलने पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि उनके पास कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए विदेशों से भी लोग आते हैं। मुख्यमंत्री ने राज्य में स्वास्थ्य अधोसंरचना के तेजी से विस्तार का उल्लेख करते हुए कहा कि राजधानी क्षेत्र में मेडिसिटी हब विकसित किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत 5000 बिस्तरों वाला सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल स्थापित किया जाएगा। इससे प्रदेशवासियों को विश्व स्तरीय चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने यह भी बताया कि उनके कार्यकाल में रायपुर में एक दर्जन से अधिक निजी अस्पतालों का शुभारंभ किया गया है। भारत की समृद्ध ज्ञान परंपरा का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा देश नालंदा, तक्षशिला और विक्रमशिला जैसे महान शिक्षा केंद्रों का धनी रहा है और चिकित्सा व अध्यात्म दोनों क्षेत्रों में विश्व गुरु के रूप में स्थापित रहा है। आयुर्वेद को ऋग्वेद का उपवेद बताते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' का भाव सदैव विद्यमान रहा है।

बालोद मजिस्ट्रेट को जान से मारने की धमकी

3 करोड़ फिरौती मांगी, लिखा...गलत आदेश देते हैं, लेटर भेजने वाले ने खुद को नक्सली बताया

बालोद, 10 अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में न्यायिक मजिस्ट्रेट और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी मिली है। यह धमकी भरा पत्र डाक के जरिए भेजा गया है, जिसमें 3 करोड़ रुपए की फिरौती देने की बात लिखी है। मामला गुंडरदेही थाना क्षेत्र का है। लेटर भेजने वाले ने पत्र में ये भी लिखा है कि प्रशांत देवांगन रिश्वत लेकर गलत आदेश देते हैं और गरीबों को परेशान करते हैं। मजिस्ट्रेट को अपने पद का घमंड है। अगर मांगी गई राशि नहीं दी गई तो उन्हें जान से मार दिया जाएगा। इसके अलावा लेटर भेजने वाले खुद को नक्सली संगठन से जुड़ने का दावा किया है। पुलिस इस मामले में जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक, प्रशांत कुमार देवांगन गुंडरदेही न्यायालय में पदस्थ प्रथम न्यायिक मजिस्ट्रेट हैं। 27 मार्च (शुक्रवार) को दोपहर करीब 3:25 बजे उनके दफ्तर में पोस्टमैन लिफाफा लेकर पहुंचा था। मजिस्ट्रेट प्रशांत कुमार देवांगन ने लिफाफा रिसीव किया। लिफाफा खोलने पर उसमें जान से मारने की धमकी, फिरौती और नक्सली संगठन होने का दावा जैसी बाते लिखी गई थी। साथ ही तीन करोड़ रुपए की फिरौती मांगी गई।

पैसे लेकर फाइल दबाने का आरोप : पत्र में मजिस्ट्रेट के दफ्तर के कर्मचारियों पर भी पैसे लेकर फाइल गायब करने और आम लोगों को परेशान करने का आरोप लगाया गया है।

लिफाफा मिलने के 12 दिन बाद शिकायत : मामले की गंभीरता को देखते हुए मजिस्ट्रेट ने थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिस पर पुलिस ने बुधवार (8 अप्रैल) शाम करीब 5 बजे केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस विभाग में बड़ा फेरबदल : 15 अधिकारियों के तबादले, कई थानों की कमान बदली...

बिलासपुर, 10 अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत करने के उद्देश्य से पुलिस विभाग में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा जारी आदेश के तहत 15 निरीक्षक और उपनिरीक्षकों का तबादला कर उन्हें तत्काल प्रभाव से नए पदस्थापना स्थल पर भेजा गया है। यह तबादले आगामी आदेश तक अस्थायी रूप से लागू रहेंगे। जारी सूची के अनुसार जिले के कई महत्वपूर्ण थाना क्षेत्रों और विशेष इकाइयों में पदस्थ अधिकारियों को बदला गया है। इनमें थाना प्रभारी, एसीसीयू, साइबर यूनिट, अजाक थाना, चकरभाठा, कोनी, तोरवा, बिल्हा और सिविल लाइन जैसे प्रमुख क्षेत्र शामिल हैं। प्रशासनिक दृष्टि से इसे बड़ा कदम माना जा रहा है। फेरबदल के तहत निरीक्षक दामोदर मिश्रा को हिरी थाना प्रभारी बनाया गया है, जबकि कृष्णचंद सिदार को मस्तूरी थाना की जिम्मेदारी सौंपी गई है। रजनीश सिंह को तोरवा थाना और भावेश शेण्डे को चकरभाठा थाना प्रभारी नियुक्त किया गया है।

पेपर लीक के बाद दोबारा हुई 12वीं हिंदी की परीक्षा

रायपुर, 10 अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ 12वीं बोर्ड की हिंदी की परीक्षा शुक्रवारको दोबारा हुई। प्रदेश के कुल 2.39 लाख छात्रों का नाम रजिस्टर्ड था, जिनमें से 2,36,821 छात्रों ने एग्जाम दिया, 2356 छात्र एब्सेंट रहे। इस दौरान नकल का एक भी केस नहीं बना। इस बार छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) पूरी तरह सतर्क नजर आया। गोपनीयता और सुरक्षा को देखते हुए प्रश्न पत्रों के पैकेट में वन टाइम लॉक सिस्टम लगाया गया था, वहीं पूरी सामग्री जीपीएस लॉक युक्त कंटेनर के जरिए भेजी गई थी। संभावना है कि इस व्यवस्था को आगामी परीक्षाओं में भी लागू किया जाएगा। इससे पहले पेपर लीक होने के बाद 12वीं हिंदी की परीक्षा रद्द कर दी गई थी। छात्रों ने कहा- पिछले एग्जाम के मुकाबले इस बार पेपर सरल आया। री-एग्जाम की वजह से कुछ बच्चों को अपना समर वेकेशन पोस्टपोंड करना पड़ा। बच्चों का कहना पेपर लीक नहीं होना चाहिए था। माध्यमिक शिक्षा मंडल की सचिव पुष्पा साहू ने बताया कि, परीक्षा के लिए 2395 सेंटर बनाए गए थे। परीक्षा सुबह 9:00 बजे से शुरू हुई, जो दोपहर 12:15 बजे तक चली। छात्रों को सुबह 9 बजे तक परीक्षा केंद्र पहुंचना तय रखा गया था। 9:05 बजे उत्तर पुस्तिका मिली, 9:10 बजे प्रश्नपत्र दिया गया और 9:15 बजे से लिखना शुरू किया। एग्जाम सेंटर में निरीक्षण के दौरान सभी केंद्रों पर परीक्षा सुचारू और शांतिपूर्ण ढंग से संचालित हुई। इसके अलावा कही कोई शिकायत नहीं मिली है।

आईपीएल में ऑनलाइन सट्टा खिलाने वाले गिरोह का भंडाफोड़....16 आरोपी गिरफ्तार

हिमाचल प्रदेश से चल रहा था नेटवर्क, 50 लाख से अधिक का इलेक्ट्रॉनिक सामान जब्त

बलौदाबाजार, 10 अप्रैल 2026। आईपीएल मैचों पर ऑनलाइन सट्टा संचालित करने वाले एक बड़े अंतरराज्यीय संगठित गिरोह का पर्दाफाश करते हुए बलौदाबाजार पुलिस ने 16 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह भाटापारा से लेकर सोलन जिला तक फैला हुआ था और किराए के मकान से पूरे देश में सट्टे का संचालन कर रहा था। पूरे मामले का खुलासा एसपी भावना गुप्ता ने किया। पुलिस के मुताबिक, 4 अप्रैल 2026 को भाटापारा रेलवे स्टेशन के पास आरोपी अजय बतरा को मोबाइल के जरिए आईपीएल मैचों पर ऑनलाइन सट्टा संचालित करते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। आरोपी के पास से एक मोबाइल, ?5780 नकद और सट्टेबाजी से जुड़े स्क्रीनशॉट बरामद किए गए।

तकनीकी जांच से बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़

अजय बतरा के मोबाइल की तकनीकी जांच में 'RUVIBET' पैनल आईडी के जरिए सट्टा संचालन का खुलासा हुआ। जांच में पता चला कि इस आईडी के माध्यम से हिमाचल प्रदेश में बैठा एक बड़ा गिरोह देशभर में ऑनलाइन सट्टा चला रहा था। इसके बाद भाटापारा पुलिस ने हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले के परवानू क्षेत्र में दबिश दी। वहां एक किराए के मकान में चल रहे सट्टा ऑपरेशन का भंडाफोड़ करते हुए 16 आरोपियों को मौके से गिरफ्तार किया गया। पकड़े गए आरोपी उत्तरप्रदेश, पंजाब, हरियाणा, नेपाल व छत्तीसगढ़ के हैं।

आरोपियों से भारी मात्रा में सामान जब्त

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 7 लैपटॉप, 2 आईपैड, 48 मोबाइल फोन, 9 एटीएम कार्ड, 2 बैंक खाते सहित करीब 50 लाख रुपये से अधिक के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए हैं। जांच में सामने आया कि आरोपी 'RUVIBET' पैनल आईडी के जरिए Branch-08, Branch-27 और Branch-35 लिंक बनाकर पूरे भारत में ऑनलाइन सट्टा चला रहे थे। मामले में पहले से दर्ज अपराध में भारतीय न्याय संहिताकी विभिन्न धाराओं और आईटी एक्ट की धाराएं भी जोड़ी गई हैं। सभी आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया जारी है। भाटापारा शहर थाना पुलिस की मजबूत सूचना तंत्र और तकनीकी जांच के चलते इस बड़े अंतरराज्यीय सट्टा गिरोह का पर्दाफाश संभव हो सका। पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी हुई है।

छत्तीसगढ़ में साड़ी घोटाला...मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा-कांग्रेस राज में होता था भ्रष्टाचार, मछली झोलने के काम आती थी साड़ी

बिलासपुर, 10 अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ में महिला एवं बाल विकास विभाग में साड़ी घोटाले को लेकर हंगामा मचा हुआ है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को वितरित की गई साड़ी में घोटाले की बात कही जा रही है। तमाम आरोपों के बीच महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े का बड़ा बयान सामने आया है। मंत्री राजवाड़े ने कहा कि कई जगहों से क्वालिटी को लेकर शिकायत मिली है, लेकिन ऐसा नहीं है कि वितरित की गई पूरी साड़ी खराब है। उन्होंने खुद इसका उपयोग करके, साड़ी को धोकर देखा है। हालांकि इसके बाद भी जहां से शिकायत है, वहां खराब साड़ी को रिप्लेस कर नई साड़ी देने के निर्देश दिए गए हैं। गड़बड़ी की जांच करने के भी निर्देश दिए गए हैं। कांग्रेस पर पलटवार करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस के जमाने में साड़ी वितरण में भ्रष्टाचार होता था। कांग्रेस कार्यकाल की साड़ी पहनने लायक नहीं होती थी। तब की साड़ी मछ्ली झोलने (पकड़ने) के काम आती थी।

दीपक बैज ने कहा...महिला एवं बाल विकास विभाग बना भ्रष्टाचार का अड्डा, क्या सरकार साड़ी खरीदी की कराएगी जांच...

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने राज्य सरकार पर साड़ी खरीदी के नाम पर भ्रष्टाचार करने का गंभीर आरोप लगाया है। शुक्रवार को जगदलपुर राजीव भवन में पत्रवार्ता को संबोधित करते हुए बैज ने कहा कि सरकार ने महिला एवं बाल विकास विभाग को भ्रष्टाचार का अड्डा बना लिया है। दीपक बैज ने कहा, महिला एवं बाल विकास विभाग ने प्रदेश के आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं के लिए 1 लाख 94 हजार 5 सौ 90 नग घटिया क्वालिटी की साड़ी की खरीदी की है। साड़ी उपयोग के लायक नहीं है। विभाग के द्वारा सेनेटरी पैड, ग्रीन बोर्ड एवं आरओ खरीदी में भी भ्रष्टाचार किया गया है।

नवनियुक्त कांग्रेस कार्यकारिणी एवं ब्लॉक अध्यक्षों का शपथ ग्रहण

धमतरी, 10 अप्रैल 2026। जिला कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त पदाधिकारियों सहित जिले के 09 ब्लॉक अध्यक्षों का शपथग्रहण समारोह जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय राजीव भवन में भव्य रूप से संपन्न हुआ। इस अवसर पर कांग्रेस संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। कांग्रेस भवन मे पदाधिकारियों का उत्साह और भीड़ देखने को मिला, जिससे पार्टी कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार हुआ। कार्यक्रम के दौरान नवनियुक्त पदाधिकारियो को औपचारिक रूप से पदभार सौंपा गया। साथ ही जिले के सभी नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्षों, शहर कांग्रेस अध्यक्षों ने भी अपने-अपने पदों की शपथ ली। समारोह में कांग्रेस नेताओं ने संगठन को मजबूत करने, जनसमस्याओं को प्रमुखता से उठाने और आम जनता के हित में संघर्ष करने का संकल्प लिया। शपथग्रहण समारोह में जिलेभर से पहुंचे कांग्रेस कार्य कर्ताओं की उपस्थिति ने यह संदेश दिया कि पार्टी एक बार फिर संगठित होकर राजनीतिक मैदान में दोगुनी मजबूती से उतरने की तैयारी में है। कार्यक्रम के दौरान नवनियुक्त पदाधिकारियो को कांग्रेसी सफा पहनाते हुए नियुक्ति पत्र भेंट किया गया।

कार्यक्रम के दौरान जिला अध्यक्ष तारिणी चंद्राकर ने जिला महामंत्री अरविं दोषी को संगठन महामंत्री बनाएं जानें की घोषणा की। जिला अध्यक्ष नें अपने सम्बोधन में बूथ कांग्रेस कमेटी की संगठनात्मक मजबूती पर अधिक जोर दिया।

18.69 लाख की हेरोईन जब्त, पंजाब से लाकर माल खपाने वाले 4 तस्कर गिरफ्तार

दुर्ग, 10 अप्रैल 2026। जिले में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। भिलाई के हाउसिंग बोर्ड क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 18.69 लाख रुपये मूल्य की हेरोईन के साथ चार तस्करों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपी पंजाब से नशे का सामान लाकर छत्तीसगढ़ में बेचने की तैयारी में थे और किराए के मकान में रहकर अवैध कारोबार चला रहे थे। पुलिस को 10 अप्रैल को मुखबिर से सूचना मिली थी कि हाउसिंग बोर्ड भिलाई क्षेत्र में कुछ लोग हेरोईन बेचने में संलिप्त हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए एसएसपी विजय अग्रवाल के निर्देशन में पुलिस टीम गठित की गई और तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए। इसके बाद थाना जामुल पुलिस और एसीसीयू टीम ने संयुक्त रूप से संदिग्ध मकान पर दबिश दी। रेड कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मकान के अंदर मौजूद चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से 91.9 ग्राम हेरोईन और नगदी रकम बरामद की गई। बरामद हेरोईन की कीमत करीब 18.69 लाख रुपये आंकी गई है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे यह हेरोईन पंजाब के अमृतसर से लाकर भिलाई में बेचने की योजना बना रहे थे।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स, नमनाकला, संत हरकेवल विद्यापीठ के पास, अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050, डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001, 98265-32611, Email:ghatatighatana11@ gmail.com, Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)